संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -33 सोमवार ,04 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मध्य प्रदेश समेत तीन राज्यों में बीजेपी की बंपर जीत

» विधानसभा चुनाव में मोदी लहर ने किया कमाल

» एकमात्र तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2023 (ए)। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत 4 राज्यों के वोटों की गिनती में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने जीत हासिल की है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सफलता ने एग्जिट पोल को गलत साबित किया है। वहीं तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही है। तीन राज्यों में जीत के बाद पीएम मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचे और वहां उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

मोदी की गारंटी देश की सफलता की गारंटीः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा मोदी की गारंटी वाली गाड़ी, देश की सफलता की गारंटी बनेगी, ये भी मोदी की गारंटी है। आपको एक और बात याद रखनी है-जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरु होती है। मोदी ने आरोप लगाया कि कि केंद्र की विभिन्न योजनाओं का विरोध करने के लिए कांग्रेस और उसके साथी भ्रष्टाचार में लग जाते हैं और गरीबों तक उन्हें पहुंचने में रुकावट डालने की कोशिश करते हैं।

यह जीत लोकसभा में हैट्रिक की गारंटी हैःपीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों को आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हैट्रिक की गारंटी करार करार दिया और कांग्रेस सहित अन्य सभी विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये परिणाम कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन के लिए सबक है कि कुछ परिवारवादियों के एक मंच पर आ जाने से देश का भरोसा नहीं जीता जा सकता।

आदिवासी समाज ने किया कांग्रेस का सफाया

पीएम मोदी ने कहा कि जिस कांग्रेस ने आदिवासी समाज को कभी पूछा तक नहीं उस आदिवासी समाज ने कांग्रेस का सफाया कर दिया। यही भावना आज हमने एमपी,छत्तीसगढ़ और राजस्थान में देखी है। इन राज्यों की आदिवासी सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। आदिवासी समाज आज विकास के लिए आकांक्षी है और उन्हें भरोसा है कि इस आकांक्षों को सिर्फ भाजपा पूरा कर सकती है। मैं हमारे कार्यकर्ताओं की भी सराहना करूंगा,भाजपा और कमल के प्रति आपकी निष्ठा, आपका समर्पण अतुलनीय है।

देश का युवा सिर्फ विकास चाहता है

भाजपा मुख्यालय में संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि चुनाव के नतीजों ने एक और बात स्पष्ट की है कि देश का युवा सिर्फ और सिर्फ विकास चाहता है। जहां भी सरकारों ने युवाओं के खिलाफ काम किया है वे सरकारें सत्ता से बाहर हुई है, चाहे राजस्थान, छत्तीसगढ़ या तेलंगाना हो... इन तीनों राज्यों में सत्ता में बैठे दल अब सत्ता से बाहर हैं।..

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने बढ़ाया विश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि मैं अक्सर कहता था कि नारी शक्ति यह ठान कर निकली है कि भाजपा का परचम लहराएंगी...आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने देश की माताओं-बेटियों के मन में नया विश्वास जगाया है।.

मेरे लिए देश में सिर्फ 4 जातियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि इस चुनाव में देश को जातियों में बांटने की बहुत कोशिशें हुई, लेकिन मैं लगातार कह रहा था कि मेरे लिए देश में 4 जातियां ही सबसे बड़ी जातियां है। जब मैं इन 4 जातियों की बात करता हूं तब हमारी नारी, युवा, किसान और हमारे गरीब परिवार इन 4 जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है...

आज सुशासन की जीत हुई है

भाजपा मुख्यालय में संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि आज की विजय ऐतिहासिक है, अभूतपूर्व है। आज सबका साथ, सबका विकास की जीत हुई है...आज ईमानदारी, पारदर्शिता और सुशासन की जीत हुई है।

राऊ सीट पर कांग्रेस का किला ध्वस्त

एमपी की राऊ विधानसभा सीट पर कांग्रेस के कद्दावर नेता जीतू पटवारी को बड़ी हार झेलनी पड़ी। यहां बीजेपी प्रत्याशी मधु वर्मा ने 35 हजार से ज्यादा मतों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की है। जीतू पटवारी जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गए।

राघोगढ़ सीट पर जयवर्धन ने बाजी मारी

एमपी की राघोगढ़ सीट पर दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन ने तीसरी बार जीत हासिल की है। क्लोज फाइट में उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी हीरेंद्र सिंह बंटी को 4500 से ज्यादा मतों के अंतर से हराया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया जनता का धन्यवाद

पीएम मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जनता-जनार्दन को नमन! मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है। भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने लिखा, मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे। इस अवसर पर पार्टी के सभी परिश्रमी कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से आभार! आप सभी ने अद्भभुत मिसाल पेश की है। भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों को आपने जिस तरह लोगों के बीच पहुंचाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमें ना रुकना है, ना थकना है। हमें भारत को विजयी बनाना है। आज इस दिशा में हमने मिलकर एक सशक्त कदम उठाया है।

कांग्रेस को राजस्थान से बड़ा झटका,प्रताप सिंह खाचरियावास हारे

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने एक और बड़ी जीत हासिल की है। यहां सिविल लाइन्स से उम्मीदवार गोपाल शर्मा ने कांग्रेस के बड़े चेहरे और राज्य सरकार में मंत्री रहे प्रताप सिंह खाचरियावास को 28 हजार से ज्यादा मतों से हरा दिया है। भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, खाचरियावास को 70 हजार 332 वोट मिले थे। जबकि, शर्मा ने 98 हजार 661 वोट हासिल किए थे

टोंक से जीते पायलट, झोटवाड़ा से राज्यवर्धन भी विजयी

राजस्थान की झोटवाड़ा सीट से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने 50 हजार से ज्यादा मतों के अंतर से जीत हासिल कर ली है। वहीं, टोंक सीट से कांग्रेस के बड़े चेहरे सचिन पायलट भी 29475 मतों के अंतर से जीत चुके हैं। सरदारपुरा सीट से अशोक गहलोत और झालरपाटन से वसुंधरा राजे ने भी जीत हासिल की है।

चुनाव जीतने के बाद मोदी का जनता-जनार्दन को नमन

चुनाव परिणामों के बाद आया पीएम मोदी का संदेश

देश के 4 राज्यों में आज विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। 3 राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी है। चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स करके तीनों राज्यों की जनता को बधाई दी है।

पीएम मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है।

भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं।

कार में चुपचाप सीएम आवास से निकले और...कहां गए केसीआर ?

राज्यपाल को यूं भेजा अपना इस्तीफा

हैदराबाद. तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस द्वारा बहुमत सीटें जीतने के बाद रविवार को राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को अपना इस्तीफा भेज दिया. जब साफ हो गया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सत्ता बरकरार नहीं रखेगी, केसीआर ने एक अधिकारी के माध्यम से राजभवन को अपना इस्तीफा भेज दिया.

उम्मीद थी कि केसीआर अपना इस्तीफा सौंपने राजभवन खुद जाएंगे. वह निजी कार में चुपचाप मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास प्रगति भवन से निकल गए, लेकिन राजभवन नहीं पहुंचे. बाद में पता चला कि उन्होंने अपना इस्तीफा एक अधिकारी के माध्यम से भेजा है.

बताया गया है कि मुख्यमंत्री मेडक जिले के एर्रावल्ली गांव स्थित अपने फार्महाउस के लिए रवाना हो गए हैं. केसीआर के इस रुख ने कई लोगों को चौंका दिया, वो काफिले में नहीं गए और यहां तक कि मार्ग की मंजूरी के बिना एक आम व्यक्ति के रूप में चले गए.

अशोक गहलोत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा

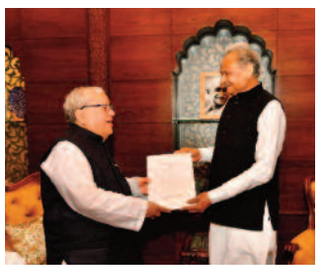

राजस्थान में बीजेपी को बहुमत

राजस्थान में विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत के बाद अशोक गहलोत ने आज शाम को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. आज वोटों की गिनती के बाद बीजेपी को बहुमत का जनादेश मिल गया. लगभग 11 घंटे चली मतगणना में जैसे ही रुझान स्थिर हुए, गहलोत राज्यपाल कलराज मिश्र के आवास पर पहुंचे और उनको अपना इस्तीफा दे दिया.

राहुल गांधी बोलेःस्वीकार है जनादेश

चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस नेता का बयान

रायपुर। देश के दो राज्यों की सत्ता कांग्रेस के हाथ से निकल गई है। 4 चुनावी राज्यों में से कांग्रेस एक मात्र तेलंगाना में जीत पाई है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार की विदाई हो गई है।

राजस्थान,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ चुनाव परिणाम पर क्या कुछ बोलीं प्रियंका गांधी ?

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव परिणाम पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रतिक्रिया सामने आई है। तीन राज्यों में पार्टी की हार पर प्रियंका गांधी ने कहा, जनता का फैसला सिर माथे पर। वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की जीत पर कार्यकर्ताओं और वहां की जनता को तह-ए-दिल से धन्यवाद कहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष को गुलदस्ता देना डीजीपी को पड़ा महंगा,चुनाव आयोग ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2023 (ए)। रविवार को चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार के निलंबन का आदेश दे दिया है। दरअसल तेलंगाना के डीजीपी ने राज्य पुलिस नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल (व्यय) अधिकारी महेश भागवत के साथ हैदराबाद में विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। डीजीपी ने उन्हें गुलदस्ता भी भेंट किया था। सूत्रों की मानें तो चुनाव आयोग के पास डीजीपी को लेकर कई शिकायत की गई थीं, इसी को लेकर चुनाव आयोग ने यह बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने डीजीपी कुमार को निलंबित करने का आदेश दिया है।

दरअसल काउंटिंग पूरी भी नही हुई थी कि बीच में ही डीजीपी कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के आवास पर पहुंच गए थे। चुनाव आयोग ने इस मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन माना और डीजीपी को सस्पेंड करते हुए दो और आईपीएस अफसरों को नोटिस जारी कर दिया है।

तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार पर खड़गे ने जताई निराशा

कहा- कांग्रेस कड़ी मेहनत के साथ करेगी वापसी

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2023 (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार पर निराशा जताते हुए रविवार को कहा कि उनका दल इन राज्यों में खुद को मजबूत करेगा तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए अपने आपको तैयार करेगा। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस की जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

हम कड़ी मेहनत से वापसी करेंगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर विश्वास और भरोसा जताने के लिए मैं तेलंगाना के मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं। मैं उन सभी का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने हमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में वोट दिया। ये चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे हैं, परंतु हमें विश्वास है कि हम मेहनत एवं दृढ़ निश्चय से मज़बूती से वापसी करेंगे। लोकसभा चुनाव की तैयारियां करें।उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने पूरे दम-ख़म के साथ इन चार राज्यों के चुनाव में भाग लिया। मैं अपने अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। खरगे ने कहा, ''हमें इस हार से हताश हुए बग़ैर 'इंडिया के घटक दलों के साथ दोगुने जोश से लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है।

संपादकीय

न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियां

अगर मुकदमों का निपटारा समयबद्ध तरीके से नहीं होता है तो नागरिकों के अदालत का दरवाजा खटखटाने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अब भी लोग न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। अकेले अक्टूबर के महीने में देश भर की अदालतों में 16 लाख से ज्यादा मामले पहुंचे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च न्यायपालिका में नियुक्ति के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के जरिए जजों की बहाली का सुझाव दिया तो उनके सामने ही देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से डरना नहीं चाहिए क्योंकि अदालतें आम लोगों के लिए ही हैं। देश की प्रथम नागरिक और चीफ जस्टिस दोनों की बातें सुनने में बहुत अच्छी लग रही हैं। लेकिन क्या सचमुच प्रतियोगिता परीक्षाओं के जरिए जजों की नियुक्ति से न्यायपालिका की समस्याएं या उसकी चुनौतियों का समाधान हो जाएगा? और क्या आम नागरिकों के न्यायालयों का दरवाजा खटखटाने से उनको न्याय मिलना सुनिश्चित हो जाएगा? इन दोनों पहलुओं पर विचार करने की जरूरत है। महामहिम राष्ट्रपति ने जो कहा उससे पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि अगर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के जरिए जजों की नियुक्ति होगी तो उच्च न्यायपालिका में विविधता सुनिश्चित होगी और ज्यादा प्रतिभाशाली लोग न्यायिक सेवा में आएंगे। लेकिन असल में ऐसा होने की कोई गारंटी नहीं है। उलटे जजों की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था से छेड़छाड़ से न्यायिक सेवाओं की गुणवत्ता पर नकारात्मक असर भी हो सकता है। ध्यान रहे निचली अदालतों में न्यायिक सेवाओं के जरिए मजिस्ट्रेट की बहाली होती है लेकिन उच्च अदालतों में जज बनने के लिए बार से ज्यादा सिफारिशें की जाती हैं। अगर हाई कोर्ट्स में न्यायिक सेवा के जरिए बहाली होगी तो संभव है कि दुनिया के अच्छे संस्थानों से पढ़ कर आए और अच्छी प्रैक्टिस कर रहे वकील परीक्षा में हिस्सा न लें। मौजूदा व्यवस्था में अच्छे वकीलों की सहमति लेकर उनके नाम कॉलेजियम की ओर से नियुक्ति के लिए भेजे जाते हैं। इस व्यवस्था में भी कई कमियां हैं, लेकिन उन्हें सुधार कर इसे बेहतर किया जा सकता है।

इसी तरह नागरिकों को न्यायालयों का दरवाजा खटखटाने की सलाह देना अच्छी बात है लेकिन न्याय सुनिश्चित करना उतना आसान नहीं है। देश भर की अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़ मुकदमे लम्बित हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 70 लाख केस ऐसे हैं, जो पांच से 10 साल की अवधि के हैं तो 32 लाख से ज्यादा केस 10 से 20 साल पुराने हैं। पांच लाख केस 20 से 30 साल पुराने हैं और 30 साल से ज्यादा समय से लम्बित मुकदमों की संख्या भी करीब एक लाख है। तभी सवाल है कि अगर मुकदमों का निपटारा समयबद्ध तरीके से नहीं होता है तो नागरिकों के अदालत का दरवाजा खटखटाने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अब भी लोग न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। अकेले अक्टूबर के महीने में देश भर की अदालतों में 16 लाख से ज्यादा मामले पहुंचे। तभी सर्वोच्च अदालत और सरकार दोनों को मिल कर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि अदालतों में पहुंचने वाले मुकदमों का समयबद्ध निपटारा हो। इसके लिए जजों की नियुक्ति और बुनियादी ढांचे का विकास दोनों जरूरी है।

राज्यपालों की भूमिका पर विचार जरूरी

इन दिनों राजनीति में इस्तेमाल किए जा रहे मुहावरे के हिसाब से कहें तो आजादी के 75 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ कि राज्यपालों के ऊपर सर्वोच्च अदालत को इतनी सख्त टिप्पणियां करनी पड़े, जितनी अभी करनी पड़ रही है। आजादी के बाद कई बार राज्यपालों की भूमिका पर सवाल उठे हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि सांस्थायिक रूप से राज्यपाल राज्य सरकारों के कामकाज में दखल दें, विधेयक रोकें, सरकारों पर गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी करें और समानांतर सरकार चलाने की कोशिश करें। राज्यपालों के ऐसे आचरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार बेहद तीखी टिप्पणियां की हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि न राज्यपालों पर इसका असर पड़ र है और न केंद्र सरकार इस पर ध्यान दे रही है। उलटे ऐसा लग रहा है कि सरकार भी चाहती है कि वे ऐसा ही आचरण करें। यह दुर्भाग्य है कि राज्यपालों ने राजभवनों को समानांतर सरकार चलाने का केंद्र बना दिया है। ऐसा सिर्फ उन्हीं राज्यों में हो रहा है, जहां विपक्षी पार्टियों की सरकारें हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि राज्यपालों को अचानक संविधान से मिले अपने अधिकारों की याद आ गई है और वे अपने को वास्तविक शासन प्रमुख समझने लगे हैं। जहां भाजपा की सरकार है वहां ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। इसका यह मतलब नहीं है कि भाजपा की सारी सरकारें बहुत बढ़िया और संविधान सम्मत तरीके से काम कर रही हैं, जबकि विपक्षी पार्टियों की सरकारें संविधान के प्रति सम्मान नहीं दिखा रही हैं।

ऐसा लग रहा है कि पानी सर के ऊपर से निकलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के स्थायी समाधान का फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने दो टूक अंदाज में कहा है कि राज्यपाल कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को बदलने का प्रयास नहीं कर सकते हैं। यह बहुत बड़ा फैसला है। इससे पहले सर्वोच्च अदालत ने इस मामले को इतनी गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन एक के बाद एक तीन राज्यों- केरल, तमिलनाडु और पंजाब के एक जैसे मामले कोर्ट में आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विस्तार से सुनवाई की और फैसला सुनाया। सर्वोच्च अदालत ने सिर्फ यह आदेश नहीं दिया कि राज्यपाल लंबित विधेयकों को जल्दी से जल्दी क्लीयर करें, बल्कि यह कहा है कि विधानसभा से पास विधेयकों को रोकने से कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया प्रभावित होती है। ध्यान रहे कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्यों की विधानसभाओं को है। अगर किसी राज्य की विधानसभा ने कोई विधेयक पास किया है तो राज्यपाल उसे रोक कर कानून निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इसका सबसे बड़ा खतरा यह है कि इससे संघवाद का सिद्धांत प्रभावित होगा। केंद्र में जिसकी सरकार होगी वह राज्यपाल के जरिए राज्य सरकारों के बनाए कानून को रोकता रहेगा। तभी अदालत ने संविधान के अनुच्छेद दो सौ का हवाला देते हुए कहा कि उसमें निश्चित रूप से यह नहीं लिखा गया है कि राज्यपाल कितने समय में किसी विधेयक को मंजूरी दें लेकिन यह जरूर लिखा है कि 'जल्दी से जल्दी मंजूरी दें'। इसका मतलब है कि संविधान बनाने वालों की भावना यह रही है कि विधानसभा से पास होने के बाद जब विधेयक राज्यपाल के पास जाए तो वे उसे तुरंत मंजूरी दे। अगर उनको लगता है कि विधेयक में कुछ सुधार किया जाना चाहिए तो उसे वे तुरंत विधानसभा को लौटा दें। दूसरी बार विधेयक भेजे जाने के बाद राज्यपाल के लिए उसे मंजूरी देना अनिवार्य होता है। लेकिन वह मंजूरी भी जल्दी से जल्दी हो जानी चाहिए। अदालत ने साफ किया है कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनंतकाल तक नहीं लटका सकते हैं। उन्हें विधानसभाओं के बनाए कानून को वीटो करने का अधिकार नहीं है।सवाल है कि क्या राज्यपालों को इस टिप्पणी के बाद कुछ शरम आएगी और क्या वे उसी अंदाज में काम करेंगे, जैसे भाजपा के शासन वाले राज्यों में राज्यपाल कर रहे हैं? इसकी उम्मीद कम है और इसके कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि भाजपा और उसकी विरोधी पार्टियों के बीच विभाजन इतना ज्यादा हो गया है कि भाजपा जहां भी विपक्ष में है वहां उसे सरकार के हर काम का विरोध करना है। और चूंकि संगठन के तौर पर भाजपा भले दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है लेकिन हकीकत यह है कि जहां भी वह विपक्ष में है वहां वह सत्तारूढ़ दल के खिलाफ नहीं लड़ पा रही है। बतौर विपक्ष भाजपा कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रही है और न राजनीतिक लड़ाई लड़ पा रही है। तभी राजभवनों को लड़ाई का हथियार बनाया गया है। ऐसा लगता है कि जहां भी भाजपा विपक्ष में है वहां विपक्ष की लड़ाई राजभवन लड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर केरल और तमिलनाडु से लेकर पंजाब और दिल्ली तक हर जगह राज्यपाल ही मुख्य विपक्ष दल के तौर पर लड़ते दिखते हैं। हर बात के लिए वे सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं। उनकी लड़ाई अब सिर्फ विधेयक रोकने या विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून व्यवस्था से लेकर करप्शन तक के मसले पर राज्यपाल बयानबाजी करते हैं।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद पंजाब के राज्यपाल ने दो विधेयकों को मंजूरी दी तो तमिलनाडु में राज्यपाल ने रोक कर रखे गए 10 विधेयक वापस लौटा दिए। हालांकि उसके तुरंत बाद सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर उन विधेयकों को फिर से पास किया और राज्यपाल के पास भेज दिया। इसी तरह केरल में राज्यपाल ने एक विधेयक को मंजूरी दी और सात विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए रोक लिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल को लेकर तीखी टिप्पणी की और पूछा कि वे दो साल तक विधेयक रोक कर क्या करते रहे? सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा कि वह केरल सरकार के इस अनुरोध पर विचार कर रही है कि राज्यपालों के लिए एक दिशा-निर्देश तैयार किया जाए कि वे किन स्थितियों में किसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए रोक सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी निश्चित रूप से सरकार को अच्छी नहीं लगी होगी। इससे टकराव बढ़ सकता है।

अदालत ने हर बार कहा कि संविधान में बहुत साफ साफ शब्दों में लिखा हुआ है कि राज्यपाल मंत्रिमंडल की सलाह से काम करेंगे। पिछले कुछ समय से यह देखने को मिल रहा है कि राज्यपाल मंत्रिमंडल के समानांतर काम कर रहे हैं या मंत्रिमंडल के फैसलों को रोक रहे हैं। इससे भारत में शासन और प्रशासन का पूरा ढांचा बिगड़ सकता है। पंजाब के राज्यपाल ने जिस कैजुअल तरीके से कह दिया था कि वे राज्य सरकार के खिलाफ राष्ट्रपति को सिफारिश कर देंग, उससे नए खतरे का आभास होता है। पंजाब बेहद संवेदनशील राज्य है, जहां जनता के वोट से चुनी हुई प्रचंड बहुमत की सरकार है। उसके बारे में इस तरह की टिप्पणी बेहद गैरजिम्मेदार मानी जाएगी। लेकिन दुर्भाग्य से कई राज्यपाल इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं या ऐसे आचरण कर रहे हैं, जो पद की गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। उम्मीद करनी चाहिए कि अदालत की सख्ती के बाद इसमें कुछ सुधार होगा।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

सांप के जहर से अरबों का व्यापार

देश की राजधानी दिल्ली में तरह-तरह के उल्टे-सीधे धंधे होते हैं। अपराध का एक भी ऐसा तरीका नहीं है, जो भारत की राजनानी

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

में न होता हो। नवंबर महीने के पहले सप्ताह में सांप के जहर को पार्टीड्रग के रूप में बेचने के गोरखधंधे का खुलासा हुआ है। भाजपा सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फार एनिमल्स (पीएफए) के प्रयास से यह भांडा फूटा है। पता चला कि नोएडा में एक जगह रेव पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसमें सांप के जहर से किक लेने के लिए देश-विदेश के युवक-युवतियां आई थीं। इस पार्टी पर अचानक छापा मार कर पुलिस ने आयोजकों के पास से 22 मिलीग्राम जहर तथा कोबरा सहित कुल 9 तरह के सांप बरामद किए हैं।कहा जाता है कि इस संपूर्ण विवाद में बिगबौस विजेता एल्विस यादव का नाम आया है। वैसे तो नशाखोर नशा करने के लिए अनेक नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं। अब इसमें सांप का नशा भी शामिल हो गया है। पिछले तीन चार सालों में इसका क्रेज और मात्रा काफी बढ़ी है। नशा करने के लिए जहर उपलब्ध कराने के लिए अनेक खतरनाक और संगठित गिरोह इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। कुछ समय पहले थाणे शहर की पुलिस ने दो लोगों को तीन मिलीग्राम सांप के जहर के साथ पकड़ा था। इस तीन मिलीग्राम सांप के जहर की बाजार में कीमत एक लाख बीस हजार रुपए है। थाणे जिला सांप के जहर के सौदागरों के लिए मुख्य अड्डा बन गया है। इसके दो कारण हैं। एक तो यहां धनाढ्यों की संख्या अधिक है, दूसरे थाणे के जंगलों में अनेक जहरीले सांप रहते हैं। जिसकी वजह से यहां सांप के जहर का व्यापार फलफूल रहा है। अब तक पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में लगभग एक किलोग्राम सांप का जहर जब्त किया है। बाजार में इसकी कीमत लगभग चार करोड़ रुपए है। यह जाल केवल देश में ही नहीं, विदेशों में भी फैला है। यह धंधा पूरे देश में खास कर दक्षिण के राज्यों में सांप के जहर की तस्करी होती है। जानकार सूत्रों के अनुसार केवल महाराष्ट्र में सांप के जहर का कारोबार सौ करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इससे पूरे देश में फैले इस जहरीले कारोबार का अंदाजा लगाया जा सकता है। महाराष्ट्र के जंगलों में जहरीले सांपों और नागों को खोज कर पकड़ा जाता है और उनका जहर निकाल कर मुंबई तक लाने में सैकड़ो लोग शामिल हैं। महाराष्ट्र में विशेष कर पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली, सतारा, कोल्हापुर, सोलापुर, पुणे और अहमदनगर जहर के इस कारोबार के मुख्य अड्डा हैं। तस्करी के इस कारोबार को अगर जल्दी नहीं रोका गया तो एक दिन बाघ की तरह जहरीले नागों का भी अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। भारत में नाग की लगभग पंद्रह सौ प्रजातियां पाई जाती हैं। अकेले महाराष्ट्र में ही लगभग 60 तरह के नाग पाए जाते हैं। इनमें लगभग आधा दर्जन नाग जहरीले होते हैं। ऊनमें भी कोबरा, मणियार, घोणस और कुरसा जाति के नाम ही अत्यंत जहरीले होते हैं। सामान्य रूप से कोबरा में से 120 से 125 मिलीग्राम, घोड़स से 70 से 80 मिलीग्राम, मड़ियार से 8 से 10 मिलीग्राम और कुरसा से 25 से 30 मिलीग्राम जहर एक बार में निकलता है।

पार्टी ड्रग के रूप में उपयोग में लाने के लिए सांप के जहर को हल्का करने के लिए एक प्रक्रिया से गुजारा जाता है। जिसे पाउडर या गोली के रूप में क्लबों-पार्टी में ड्रिंक्स के साथ मिला कर दिया जाता है। रेव पार्टी सर्कल में किंग कोबरा का जहर के-76 कोड नाम से जाना जाता है। इस आधे लीटर के-76 जहर की कीमत एक करोड़ रुपए होती है।

नशा करने वालों में सांप के जहर की बड़ी मांग होती है। सूत्रों के अनुसार जहर को सुई की नोक पर एकदम छोटी बूंद लगा कर सिगरेट पर रख कर कश लिया जाता है। एक नशेड़ी के बताए अनुसार इसका नशा चरस, हेरोइन, मारीजुआना और अफीम आदि नशीले पदार्थों से भी कई गुना अधिक होता है। नाग के जहर का कश लगाने के बाद इसका नशा कम से कम आठ से दस घंटे तक रहता है।नशा करने के अलावा किसी की हत्या करने में भी इस जहर का दुरुपयोग होता है। सांप का जहर निकालने और इकट्ठा करने के लिए नियमानुसार वनविभाग की लिखित अनुमति जरूरी है। मात्र दो चार संस्थाओं के पास ही इसकी अनुमति है। सांप का जहर निकालने की भी वैज्ञानिक पद्धति है। शून्य से नीचे के तापमान में इस जहर को सुरक्षित रखना पड़ता है। गैरकनूनी रूप से सांप का जहर निकालने वाले लोग इन सब प्रक्रियाओं की बहुत परवाह नहीं करते। ये सांप को निर्दयता से पकड़ कर उसी तरह सांप को निर्दयता से अधमरा कर के उसका पूरा जहर निकाल कर छोड़ देते हैं। कभी कभी तो नाग को मार कर उसका मुंह फाड़ कर उसकी जहर की पूरी थैली ही निकाल लेते हैं।

नाग जितना अधिक जहरीला, उतनी अधिक उसकी कीमत। जहर के बाजार में आज सब से अधिक कीमत मड़यिार और कुरसा नाग के जहर की है। इनके एक मिलीग्राम जहर की न्यूनतम कीमत एक लाख रुपए से अधिक है। जबकि कोबरा और घोड़स प्रजाति के सांप के एक मिलीग्राम जहर की कीमत चालीस हजार से साठ हजार रुपए है। इस कीमत में मांग और सप्लाई के हिसाब से घट बढ़ होती रहती है। जहर को शून्यांक नीचे के तापमान में न रखने से इसकी गुणवत्ता खराब हो जाती है है और यह औषधीय उपयोग लायक नहीं रहता। तब तस्कर इस जहर को नशेबाजों के बीच पहुंचा देते हैं। क्योंकि दवा कंपनियां इसे नहीं लेतीं। तस्कर कभी-कभार इसमें मिलावट भी कर देते हैं। यह मिलावट वाला जहर सस्ता होता है और शुद्ध जहर (कांस्ट्रेट) ऊंचे दाम पर बिकता है।

मनुष्य एक ऐसा अधम प्राणी है, जो सांप के जहर की अच्छी-खराब दोनों क्वालिटी को पचा जाती है। सांप के जहर का उपयोग नशे के लिए होता है। उसी तरह स्नैकवेनम (सांप का जहर) का उपयोग जीवनरक्षक दवा बनाने के लिए होता है। चलिए इस बारे में थोड़ा विस्तार से बात करते हैं। जब कहीं सांप का उल्लेख होता है तो युगों से चली आ रही सांप की छाप के कारण हम सभी के मन में सांप के प्रति घृणास्पद और अधम प्राणी होने का विचार आता है। माना जाता है कि सांप कपटी, धोखेबाज और दुश्मन है।

हर्पेटोलॉजी विज्ञान (प्राणीशास्त्र की शाखा, जिसमें पेट से चलने प्राणियों और उभयचर के बारे में अध्ययन किया जाता है) द्वारा पिछले दशकों में किए गए शोध द्वारा पेट से चलने वाले प्राणियों का भौगोलिक विभाजन, उनके जीवन और रीतिभांत के बारे में जानकारी दी गई है। खास कर बिना किसी अपवाद के सभी सर्प जहलीले होते हैं, इस मान्यता को गलत साबित किया गया है। मानवजति से परिचित सर्प की ऐसी 2500 प्रजातियों में से मात्र 412 प्रजातियां यानी कि पांचवें भाग से भी कम जहरीली हैं। शरीर में फुर्ती और ताकत लाने के लिए आप से कोई सुबह सांप खाने के लिए कहे तो आप को कैसा लगेगा? आप को विश्वास नहीं होगा, लेकिन टानिक प्रेमी सिउल निवासी (दक्षिण कोरिया) के लोग रोजाना रेस्टोरेंट में जा कर लगभग 30 लाख सांप खा जाते हैं। वहां ऐसे तमाम रेस्टोरेंट हैं, जिनमें केवल सांप का सूप मिलता है।इस सूप को वहां की स्थानीय भाषा में वॉन टोन और बेम टांग कहा जाता है।

ऐसा नहीं है कि सांप का जहर केवल शारीरिक फुर्ती पाने के लिए ही है। हृदय रोग के अक्सीर इलाज के लिए भी सांप का जहर उपयोगी साबित हुआ है। इसके लिए दुनिया के अनेक देशों में शोध हो रहे हैं। इस तरह का प्रयोग दिल्ली के हार्डिंग मेडिकल

कालेज में भी चल रहा है। इस कालेज में चूहों को सांप का जहर देने से जो परिणाम देखने को मिला है, उससे यही लगता है कि हृदय रोग की अक्सीर दवा अब जल्दी ही मिल जाएगी। इस कालेज का शोध करने वाला एक समूह अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में अभी जल्दी ही ऐसा निष्कर्ष प्रस्तुत किया है कि चूहों के हृदय के काम को कृत्रिम रूप से रोक कर उन्हें सांप के जहर का इंजेक्शन दिया गया तो वह फिर से काम करने लगा। शोध करने वाले समूह द्वारा शोध पत्र पेश करने में मदद करने वाले प्रोफेसर आफ मेडिसिन डा.एम पी श्रीवास्तव ने बताया था कि ससला, मेढक और शुअर के हृदय की तकलीफें डीजीटालीस नाग के द्रव्य से जितनी असरकारक रूप से दूर की जा सकती हैं, उतनी ही असरकारक रूप से चूहे के हृदय की तकलीफ सांप के जहर से दूर की जा सकती है।

जहर का प्रकिण्व (एंजाइम) ऐसा पदार्थ है, जो सांप के पाचन क्रिया को वेग देता है। वैज्ञानिक साहित्य में लंबे समय तक यह सवाल चर्चा में रहा कि प्रकिण्व बूरी असर के लिए जिम्मेदार नहीं है? यह साबित हुआ है कि तमाम प्रकिण्वो जहर पैदा कर सकते हैं और मौत का सीधा कारण बन सकते हैं। ज्यादातर प्रकिण्वो जो जहरीले नहीं होते, पर अगर जहर में दूसरे स्वतंत्र जहरीले तत्व हों तो? 1960-70 के दशक के बीच वैज्ञानिकों को इस पदार्थ का न्यूट्रोटाक्सिन मिला था, जो ज्ञानतंतुओं पर बुरा असर करने के लिए जिम्मेदार है।

आधुनिक विज्ञान ने सांप के जहर को जीवनदायी साबित कर दिया है। जहरीले सांप का जालिम विष केवल हृदय रोग पर ही नहीं, अन्य कितने रोगों पर गुणकारी साबित हुआ है।

सही अर्थ में सांप एक निर्दोष प्राणी है। इस देश में एक ऐसा भी वर्ग है, जो सांप को देवता की तरह पूजता है। नाग पंचमी को सांप को दूध पिलाया जाता है। दीवार पर इसके रेखाचित्र बना कर उसकी पूजा कर के आरती उतारने वाला एक वर्ग गुजरात और राजस्थान में आज भी देखने को मिलता है। पर जमाने ने एक बड़ी करवट ले ली है। आज सांप और सांप का जहर मनुष्य के लिए व्यवसाय बन गया है। बात तमिलनाडु के एक कस्बे की है। उस कस्बे में सांपों की भरमार है। इस कस्बे के लोग सांपों से डरते आए हैं। पर अब इस कस्बे में सांपों को मनुष्य से डर लगने लगा है। सांप पकड़ना या मारना अपराध है। चोरीछुपे सांप पकड़े या मारें तो पकड़े जाने पर उसे दो साल की कैद और दो हजार रुपए जुर्माना भरना पड़ता है। पर इस्ला जाति इस तरह के कानून की कोई परवाह नहीं करती। आज वे सांप के जहर और उसके चमड़े से मोटी कमाई कर रहे हैं। अभी जल्दी एक्सरसाइज एन्फोर्समेंट और कोट्टयम के एंटी नारकोटिक्स स्पेशल स्क्वायड विभाग ने मिली सूचना के आधार पर 59 वर्षीय ओमानाकुट्टम नायर को गिरफ्तार किया था। उसके पास से दो लीटर सांप का जहर बरामद किया गया था। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग बाजार में सांप के दो लीटर जहर की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए है। एंटी नारकोटिक्स स्पेशल स्क्वायड के अधिकारी के अनुसार अब जब दवाओं में सांप के जहर का उपयोग बढ़ा है तो सांप के जहर की तस्करी भी काफी बढ़ी है। एक सांप से एक बार में करीब 5 मिलीलीटर जितना जहर मिलता है। एक बार जहर निकालने के बाद करीब एक सप्ताह बाद ही दोबारा जहर निकाला जा सकता है। तमिलनाडु की सरकार ने 1976 में सांपों को पकड़ने और मारने पर प्रतिबंध लगाया तो लोग हैरानी में पड़ गए। लेकिन इसका भी रास्ता खोजने में उन्हें देर नहीं लगी। जो लोग सांप पकड़ने का धंधा करते थे, उन्होंने अपनी संस्थाएं बना लीं, जिसका नाम रखा इस्ला स्नेक केयर कोआपरेटिव सोसायटी।

सांप पकड़ने की यह संस्था आदिवासियों को सांप को जरा भी तकलीफ न हो इस तरह की शिक्षा देती है। 1978 में 52 इस्ला परिवार को सांप पकड़ने का लाइसेंस दिया गया था, जो अभी भी चल रहा है। भारत के लाइसेंसों में यह एक विरल लाइसेंस कहा जाता है।

ये लोग सभी तरह के सांप पकड़ते हैं।इन्हें सांप पकड़ने की वैज्ञानिक रीतिरिवाज सिखाए गए हैं। यह सांप पकड़कर सोसायटी की प्रयोगशाला में लाते हैं। नाग और केट्स सांप पकड़ने वाले को एक सांप का 15 रुपए और स्पेशल वाइपर पकड़ने वाले को एक सांप का 20 रुपए मिलता है। मुंबई के कैंसर पर शोध करने वाली संस्था के एक प्रोफेसर के कैंसर के तमाम प्रकारों पर नाग के जहर से अलग किया गया एक पदार्थ असरकारक है। %पी-6% नाम का यह पदार्थ योशीदा सेकामो प्रकार के कैंसर को सुधारता है। %पी-6% एक प्रकार का प्रोटीन है। नाग के कच्चे जहर से पी-6 मिलता है। प्रोफेसर के अनुसार उन्होंने अब तक 60 से अधिक कैंसर वाले चूहों का रोग पी-6 से दूर किया है। चूहे के वजन के प्रति किलोग्राम 1.72 मिलीग्राम डोज असरकारक है। प्रोफेसर के अनुसार पर अभी तक किसी मानव पर इसका प्रयोग नहीं हुआ है। पर टेस्ट ट्यूब में मानव कैंसर कोशिकाओं पर पी-6 कैंसर विरोधी असरकारक दिखाई पड़ा है। नाग के जहर से अलग किया गया पी-6 प्रोटीन जहलीला नहीं है। ट्यूमर की कोशिकाओं सहित तमाम प्रकार के नाग का प्रोटीन असरदार रूप से काम करता है। वर्तमान निर्यात नीति की जो घोषणा की गई है, उसके अनुसार, सांपों को मारे बगैर सांपों का जहर निकालने की सुविधा वाली प्रयोगशालाओं और संस्थाओं को छूट दी गई है।उत्तर पश्चिम मलेशिया में पाए जाने वाले सांप के विष से आजकल एक ऐसी दवा बनाई जा रही है, जो नसों में होने वाली खून की रुकावट को दूर करने वाली आश्चर्यजनक सफलता मिली है।

डाक्टर वैज्ञानिकों का मानना है कि आरविन नाम की इस औषधि से शिरावरोध उर्फ थ्रोम्बोसिसन का सफलतापूर्वक इलाज हो सकता है। इसके अलावा सांप का विष कैंसर जैसे असाध्य और भयानक रोग के इलाज में उपयोगी साबित हुआ है। खास कर कोबरा (नाग) के जहर से बनने वाली दवा कैंसर के निवारण के लिए रामबाण साबित हुई है। एन्थ्रोइटिस के इलाज के लिए भी सांप का जहर उपयोगी है।

सांप का जहर इतना अधिक उपयोगी साबित हुआ है कि इसका मूल्य सोने से भी अधिक है। भारत में नाग का जहर सब से अधिक मिलता है। खास कर जुलाई-अगस्त में नाग 3 हजार मिलीग्राम जितना जहर रखता है। केट सांप का जहर लगभग 15 हजार रुपए प्रतिग्राम बिकता है। विदेशों में यह जहर और महंगा है। इससे विदेशों सांप के जहर की बहुत मांग है। मुंबई में हाफकिन इंस्टीट्यूट में एक सर्पगृह है, जहां सांपों का जहर निकाला जाता है और इससे विदेशी मुद्रा प्राप्त की जाती है।

सांप के जहर का औषधि के रूप में उपयोग किया जा सकता है, यह बात भारत युगों से जानता था। महान चिकित्सक चरक और बागभट्ट ने अपने समय में तमाम रोगों पर सर्पविष का उपयोग किया था। हांगकांग और चीन में भी लोग सांप के जहर का दवा के रूप में उपयोग करते हैं। इतना ही नहीं, वे मरे हुए या जीवित सांप का मांस भी खाते हैं। अमेरिका में तो खाने के लिए गार्डर सांप का विशेष उपयोग होता है और यह बंद डिब्बे में मिलता है।

एक शोध संस्था द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दक्षिण कोरिया की राजधानी सिउल (सोल) में लगभग 60 हजार सांप खाने वाले रहते हैं। राजधानी के सांप रेस्टोरेंट वाले एक कटोरी सांप के सूप के लिए 20 अमेरिकी डालर वसूल करते हैं। वे दावा करते हैं कि अगर कोई आदमी दस दिन तक रोजाना एक कटोरी सूप पिए तो उसकी जवानी और फुर्ती बढ़ जाती है लेकिन उनके इस दावे को अभी कोई चिकित्सीय समर्थन नहीं मिला है। पर सांप का सूप पीने वालों की श्रद्धा दृढ़ होती जा रही है और इसीलिए सांप पीने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

जहर से बनने वाले स्फटिकों में से विप्रोसाल, विप्रोक्सीन जैसी आश्चर्यजनक दवाएं, जोड़ों पर लगाने वाले मलहम और हृदय रोग तथा रक्तवाहिनियों की दवाएं बनती हैं। सांप का जीवनकाल 10 से 35 साल माना जाता है। एक बार खुराक लेने के बाद सांप महीनों बिना खुराक लिए चल सकता है। भारत में होने वाले सांपों में से केट, रसेल वाइपर, करैत जैसे सांप और कोबरा, ये चार जाति के सांप अधिक जहरीले माने जाते हैं।इन सांपों के जहर से तैयार होने वाले %सीरम% से, जिन्हें सांप काटता है, उन्हें बचाने के लिए एक रसी बनाई जाती है।

सांप ठंडे खून वाला एक रेंगने वाला प्राणी है। सांप गरम प्रदेश से आसानी से जी सकता है। पर ठंडे प्रदेश में आसानी से नहीं जी सकता। बरसात में सांप तमाम प्रवृत्तियां करता है, इसलिए बरसात में यह आसानी से दिखाई दे जाता है।

सांप को गंध की तीव्र शक्ति होती है। यह जमीन के स्पंदन को भी पहचानता है। सांप की नजर हिलनेडुलने वाली वस्तुओं से अधिक शक्तिमान है। चूहे और मेढक जैसे जीव इसकी खुराक हैं। केट और कोबरा (नाग) की खुराक अन्य सांप होते हैं। शरीर की रचना और त्वचा की स्थिति की वजह से सांप अपने शरीर की मोटाई से अधिक मोटे शिकार को लील लेता है। भारत में हर सार करीब एक करोड़ सांपों को मार कर उनकी खाल विदेश भेजी जाती है। इससे व्यापारी करीब 10 करोड़ रुपए की कमाई करते हैं। जब कि सांप का शिकार करने वाले भूखो मरते हैं। अमेरिका में लोग बिना जहर वाले सांपों को पालते हैं। सांप की केंचुल से उत्तम प्रकार का सुरमा बनाया जाता है, जो आंखों के लिए लाभदायक होता है।

सब फाइव स्टार होटल बुकड़ बुकड़ बुकड़

अपने देश की गरिमाओं के साथ साथ, जब चुनाव आते हैं तो महिमा बढ़ जाती हैं उन बड़े बड़े होटलों और रिसोर्टों की। सब होटल कारोबारियों की नींद उड़ जाती, बेताब है राजकीय पक्षों को मिलने को। सभी सेल्स अधिकारी अपने तहत के कर्मचारी को दिशा निर्देश कर के मिलने सब पक्षो के कार्यकर्ताओं को बुकिंग करवाने लालायित हैं.। सब की नज़र हैं टीवी पर कौन किससे आगे पीछे हैं?लकज़ारी बस सर्विस वालों की भी गिद्ध नज़र चुनावी परिणामों पर हैं। कोई प्रधान हारा कौन जितने की कगार पर हैं सब अंदाज़ चालू हो जातें एग्जिट पोल के चलने पर ही।

जयश्री बिरमी
अहमदाबाद,
गुजरात

जीत रहा कमल या पंजा जोरों पर हैं? उनकी कमाई का सारे साल का दारोमदार इनकी हार जीत पर ही हैं। जाते वेकेशन पर लोग चुनावों से पहले बाद में जगह मिले न मिले ये हैं अनिश्चित सी विधा हैं ।नेताओं के सफर के लिए रेल व हवाई सफर सब वर्जित हैं लोगों की आवाजाही से ये स्थान प्रदूषित हैं। यहाँ पर दूर रखना पक्ष के सभ्य को नामुमकिन हैं। हरण हो जायेगा, वरण हो जायेगा बिक जायेगा कुछ भी हो जाएँ ये मुमकिन हैं।बचाने को पक्ष की साख उन्हे भगा कर ले जाना आवश्यक हैं। महापर्व हैं ये लोकशाही का जिसमे अपहरण करना लाज़िम हैं। किस्से कुर्सी के जगत में बहुत ही मशहूर हैं। राजस्थान और मध्यप्रदेश में ये प्रथा न ज़रूरी हैं शायद, लेकिन तेलंगण, छत्तीस गढ़ में ये जरुरी है। बांध छोड़ और खरीद फरोख्त के दौर अभी भी ज़ारी हैं. जिसके पास ज्यादा धन हैं उसकी जीत तो निश्चित ही है। किसी के काम ने परिणाम दिया अच्छा किसी की मेहनत खोखली निकली उसको तो मत कम हैं मिला। जैसे ही टीवी पर शुरू हुए आने नतीजे मंत्री मीटिंग में व्यस्त होने लगे। अपने अपने स्तर पे सब नेता मशरूफ हुए। टीवी प्रवक्ताओं में बहुत ही वाकयूद्ध हुए सब ने छोड़ दी शब्द मर्यादा सब ही हमामों में थे घुसे। तू तू मै मै करते करते घमंड में मशरूफ रहे एक दूसरे को झूठा कह कर मद में भरपूर रहें।जितने वाला देता यश और यश लेता रहा। हारने वालें नेता सब दोषार्पण में मसरूफ रहे।लोकशाही के दर्पण में चेहरे सब निर्वस्त्र हुए। हर चुनावों के बाद जैसे हुए वैसे ही नतीजन सब के बर्ताव रहें।

गीत

रोटी कभी मुलायम होती,
कभी कड़ी ही रहती है।
दाल कभी तो गल जाती है,
कभी खड़ी ही रहती है।।
कभी नेह का जुड़ता बंधन,
कभी टूट यह जाता है।
टूटे अरमानों से मन में,
दर्द जलधि गहराता है।।
जिसके अंतर में है पीड़ा,
वही समझता खुशियों को।
जो जितना भावुक होता है,
उतना दर्द छुपाता है।
कभी प्रीति की बरखा होती,
कभी शुष्क होता जीवन।
कभी बाढ़ की हुई त्रासदी,
कभी बूँद को तरसे मन।।
जीवन भर विषमताओं से,
इसे देख मत घबराना।
जीवन ज्वाला में तपकर ही,
बन जाती काया कुंदन।।
मुश्किल होता जिनको भरना,
वही दरारें गहरी हैं।
कंचन मृग मन खोजे प्रतिदिन,
उस पर आँखें ठहरी हैं।।
किसे सुनाए रुदन हृदय का,
सभी मगन निज दुनिया में।
बहुत वर्ष से उर आशाएँ,
अंधी, गूँगी बहरी हैं।।

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

भोले ने आकर थपकाया

शीत झूमकर आई भोले ,
अंखियां खोले से मन डोले,
सिमट-सिमट कर लें अंगड़ाई,
शीत नें कैसी उधम मचाई।
शीत झूमकर ....
बदली में छुपते जब सूरज,
भोले भी ठिठुराते हैं,
सुनी पुकार जब भक्तों की तो,
खुद सूरज बन जाते हैं।
शीत झूमकर .....
धरती का कण-कण अलसाया,
पाती ओस से भीग गई है,
भोले नें आकर थपकाया,
और कहते अब भोर हुई है।
शीत झूमकर ....
नदियां और सागर भी सारे,
धुंध में लगते हैं प्यारे,
छवि भोले की आती नजर है,
लुक-छुप जाते हैं तारे।
शीत झूमकर......
सर-सर कर इठलाती पवन है,
कानों में कुछ गा जाती है,
भोले की महिमा मंडित कर,
जीवन को तर जाती है।
शीत झूम कर ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर
मध्यप्रदेश

तुझे आगे बढ़ना ही होगा

अक्सर भीड़ में सब चलते हैं,
उस भीड़ से निकलना होगा,
तुझे आगे बढ़ना ही होगा।
ठहरा पानी सड़ने लगता है,
तुम्हें निरंतर चलना होगा,
तुझे आगे बढ़ना ही होगा।
असंभव को संभव कर दिखाना होगा,
अपने सीने में आग जलाना होगा,
तुझे आगे बढ़ना ही होगा।
तुम्हारा सपना अधूरा रह न जाए,
अपने सपने को सच करना होगा,
तुझे आगे बढ़ना ही होगा।
राहों पर बाधाए हजार आएगी,
उन बाधाओ से लड़ना होगा,
तुझे आगे बढ़ना ही होगा।
कोई साथ चले या न चले,
तुझको अकेला चलना होगा,
तुझे आगे बढ़ना ही होगा।

श्याम सुंदर साहू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अम्बिकापुर के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतगणना करते हुए कर्मचारी एवं जीते हुए प्रत्याशियों को प्रमाण-पत्र देते अधिकारी

सरगुजा संभाग में भाजपा की बड़ी जीत

अंबिकापुर से भाजपा के राजेश अग्रवाल...सीतापुर से राम कुमार टोप्पो व् लुंड्रा से प्रबोध मिंज ने मारी बाजी...

टीएस,अमरजीत सहित कांग्रेस के कई नेता हारे

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग की पूरी की पूरी 14 सीटें भाजपा ने कांग्रेस से छीन ली है। कई सीटों पर भाजपा के नए प्रत्याशियों ने शानदार जीत दर्ज की। हाई प्रोफाइल सीटों में अंबिकापुर से उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को भाजपा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल से हार का सामना करना पड़ा, वही सीतापुर विधानसभा से खाद्य मंत्री अमरजीत भगत को भाजपा प्रत्याशी सैनिक रामकुमार टोप्पो ने 17,160 मतों से परास्त किया। लुंड्रा विधानसभा में भाजपा के प्रबोध मिंज ने कांग्रेस के डॉ. प्रीतम राम को 24128 मतों से हराया।

विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के कुल 13 अभ्यर्थी निर्वाचन में शामिल रहे।

अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र के जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़(जे) से अभ्यर्थी अब्दुल माजिद को 1193 मत मिले। इंडियन नेशनल कांग्रेस से अभ्यर्थी टीएस सिंहदेव को 90686 , भारतीय जनता पार्टी से राजेश अग्रवाल को 90780 , गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से बालसाय कोर्राम को 6083, हमर राज पार्टी से रामनन्दन पैंकरा को 719, राष्ट्रीय महान गणतंत्र पार्टी के सुजान बिंद को 288, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के संतोष विश्वकर्मा को 251, निर्दलीय अभ्यर्थी अनिल श्रीवास्तव रोटी पार्टी को 311, निर्दलीय अभ्यर्थी श्रीमती एस्तर खलखो को 352, क्रान्तिकुमार को 335, मीरा रवि को 563, मुकेश गोस्वामी को 867 तथा राकेश कुमार साहू को 1318 मत मिले। इस तरह कुल विधिमान्य मत 193746, अस्वीकृत मतों की संख्या 114, नोटा में 2168 मत पड़े। इसमें ईवीएम और डाक मतपत्र दोनों से प्राप्त मत शामिल हैं।

सीतापुर विधानसभा से रामकुमार टोप्पो ने दिग्गज नेता अमरजीत भगत को हराया

विधानसभा क्षेत्र सीतापुर से कुल 16 अभ्यर्थी निर्वाचन में शामिल रहे। इंडियन नेशनल कांग्रेस से अभ्यर्थीश्री अमरजीत भगत को 65928, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) से जेम्स टोप्पो को 1254, बहुजन समाज पार्टी से प्रकाश किस्पोट्टा को 641, आम आदमी पार्टी से प्रियंका को 1464, भारतीय जनता पार्टी से पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो को 83088, हमर राज पार्टी से कमलनाथ सिंह को 1456, बहुजन मुक्ति पार्टी से निर्मल कुजूर को 612 तथा निर्दलीय अभ्यर्थी अनिल मिंज को 548, डॉ आजाद भगत को 424, फांसीस एक्का को 363, बालमदीना निराला को 695, विपिन बिहारी पैंकरा को 939, रामकुमार को 1033, रामकुमार किंडो को 743, शांति देवी को 1114, संतोष कुमार खेस्स को 3264 मत मिले। इस तरह कुल विधिमान्य मत 163566, अस्वीकृत मतों की संख्या 117, नोटा में 1414 मत पड़े। इसमें ईवीएम एवं डाक मतपत्र दोनों से प्राप्त मत शामिल हैं।

प्रबोध मिंज जीते, मिले 87463 मत

विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा से कुल 12 अभ्यर्थी निर्वाचन में शामिल रहे। लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी से अभ्यर्थी अलेक्जेण्डर केरकेट्टा को 2599, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़(जे) से इसीदोर तिर्की को 578, बहुजन समाज पार्टी से दिलीप सिंह गोंड को 1419, भारतीय जनता पार्टी से श्री प्रबोध मिंज को 87463, इंडियन नेशनल कांग्रेस से डॉ प्रीतम राम को 63335, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट) से बलबीर नागेश को 2041, हमर राज पार्टी से अनुक प्रताप सिंह टेकाम को 1013 तथा निर्दलीय अभ्यर्थी अफसाना सिंह को 457, उर्मिला सिंह को 581, चक्रधारी सिंह को 747, लीलाधर पैंकरा को 1441, और लोभन राम पैंकरा को 1002 मत मिले। इस तरह कुल विधिमान्य मत 162676, अस्वीकृत मतों की संख्या 62, नोटा में 2906 मत पड़े। इसमें ईवीएम एवं डाक मतपत्र दोनों से प्राप्त मत शामिल हैं।

CMYK

सुमात्रा प्रांत में बाढ़ के कारण एक की मौत

11 लापता लोगों की तलाश में जुटे बचाव दल

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर 2023। इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में बाढ़ और भूस्खलन के कारण एक की मौत हो गई तो वहीं अबतक 11 लोग गायब हो चुके हैं। प्रांत के खोज और बचाव दफ्तर के प्रमुख बुदियोनो ने बताया कि बाढ़ के कारण ऊंचे मैदानी क्षेत्र से मिट्टी और बड़े पत्थर हमबैंग हसुनडुटन रेजेंसी के सिमंनगुलपे गांव के घरों से टकराया।

मीडिया से बात करते हुए बुदियोनो ने कहा, %आज हमारे अधिकारियों ने एक शव बरामद किया। हम अभी भी 11 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।% उन्होंने आगे बताया कि लापता लोगों के मिट्टी में दबे होने की आशंका है, इसलिए मिट्टी को हटाने के लिए उच्च स्तरीय मशीनों का उपयोग किया जा रहा है।

बाढ़ के कारण 50 लोगों को तुरंत अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। करीबन 12 घर बाढ़ की वजह से नष्ट हो गए, इसमें एक धार्मिक इमारत और एक स्कूल भी

शामिल है।

लाहौर में एक सिख बुजुर्ग की मौत

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक 70 वर्षीय सिख व्यक्ति का दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। शनिवार की शाम को सरदार पृतम सिंह ने सीने में दर्द होने की शिकायत की। उन्हें तुरंत लाहौर के पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके।

इलैक्यूई बोर्ड ऑफ ट्रस्ट के अधिकारी ने बताया कि मृतक का शव वाघा बॉर्डर पर बीएसएफ के हवाले कर दिया गया है। मौजूदा समय में गुरू नानाक जयंती मनाने भारत से करीबन 2,500 हिंदू पाकिस्तान में मौजूद है।

इस घटना के कुछ दिन पहले एक भारतीय सिख परिवार के साथ लूटेरों ने पुलिस की वर्दी पहनकर लूटपाट की। पुलिस के अनुसार कंवलजीत सिंह और उनके परिवार गुरूनानक जयंत के मौके पर पाकिस्तान आए थे। वे लाहौर के गुलबर्ग इलाके के लिबर्टी मार्केट में शॉपिंग करने गए थे। शॉपिंग से लौटते समय ही सिख परिवार के साथ लूटपाट की गई।

पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री मोहसिन नक्वी ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस को 48 घंटे का समय दिया है। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

इस्राइल ने ईरानी आतंकवादी समूह को दी चेतावनी,साइबर हमलों को लेकर जारी की रिपोर्ट

तेल अवीव, 03 दिसम्बर 2023। ईरानी आतंकवादी समूह कई देशों में औद्योगिक नियंत्रकों के खिलाफ साइबर हमलों के कृत्यों में लगे हुए हैं। इनमें कुछ अमेरिका के जल क्षेत्र में भी हैं। इस्राइल ने इसको लेकर ईरान को चेतावनी दी है। रविवार को जारी एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

इस रिपोर्ट को इस्राइल की राष्ट्रीय साइबर प्रणाली और अमेरिका के साइबर रक्षा निकायों ने मिलकर तैयार किया है। इसमें साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचा सुरक्षा एजेंसी (सीआईएसए), एफबीआई, एनएसए और अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी शामिल थीं।

हालांकि, इस्राइल की सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि अभी तक ऐसा कोई हालिया हमला नहीं देखा गया है जो इस्राइल में जल नियंत्रकों को बाधित करने में सफल हुआ हो।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) खुद को साइबर एवेंजर्स कहने वाले एक हमला समूह का संचालन करता है। इस समूह को हाल ही में इस्राइल द्वारा बनाए गए औद्योगिक नियंत्रकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हुए देखा गया था। इन नियंत्रकों का पानी, उर्जा, भोजन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दुनियाभर में औद्योगिक कंपनियों का मुकाबला करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आईआरजीसी 2019 से एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया था।

रिपोर्ट में उन तरीकों और रणनीतियों की जानकारी दी गई है, जिसका इस्तेमाल इस समूह द्वारा नियंत्रकों में सेंध लगाने के लिए किया जाता है। इस साल 22 नवंबर से अमेरिका में इस तरह के हमले का पता चला था। इसी की पृष्ठभूमि में रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है।

यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति का बड़ा फैसला

सैनिकों की संख्या को डेढ़ लाख से अधिक करने का आदेश

मॉस्को, 03 दिसम्बर 2023। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति ने देश की सेना को बढ़ाने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ने अधिकतम 1,70,000 लोगों को भर्ती करने के आदेश दिए हैं। अधिकारियों की मानें तो नाटो का विस्तार रूस के लिए खतरा है।

नाटो विस्तार से देश को खतरा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पुतिन का आदेश जारी किया, जिसे लागू भी कर दिया गया। फैसला लागू होने के बाद रूसी सैनिकों की कुल संख्या 2.2 मिलियन तक बढ़ जाएगी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि फैसले से सशस्त्र बलों में वृद्धि होगी। विशेष सैन्य अभियान और नाटो विस्तार से देश को खतरा है। इसके लिए समय रहते तैयारी की जा रही है। रूस की सुरक्षा परिषद के वर्तमान उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने बताया कि एक जनवरी से एक दिसंबर 2023 तक 452000 से अधिक लोगों को सेना में भर्ती किया गया था। क्रेमलिन द्वारा जारी आदेश में

बताया गया कि रूस की सीमाओं के पास नाटो संयुक्त सशस्त्र बल बना रहा है। अतिरिक्त वायु रक्षा प्रणाली और हमलावर हथियार तैनात किए जा रहे हैं। नाटो के सामरिक परमाणु बलों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। नाटो की आक्रमक गतिविधियों के कारण रूसी सैनिकों को बढ़ावा देना उचित प्रतिक्रिया है।

पहले सेना को पर्याप्त बताया, बाद में बताई जरूरत

बता दें, 2018 के बाद यह दूसरी बार है, जब रूस अपनी सेना का विस्तार करेगा। रूस ने इससे पहले 2022 में 137000 सैनिकों को बढ़ाने का आदेश दिया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन पहले अपनी सेना को पर्याप्त मानता था हालांकि, युद्ध शुरू होते ही उन्हें अपना विस्तार आवश्यक लगने लग गया। रूस ने कई बार अपनी सेना को बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए। इसमें सिपाहियों का मसौदा तैयार करना, स्वयंसेवी बटालियन बनाना सहित अन्य आकर्षित अभियान शामिल है।

मालदीव में सैन्य अड्डा बनाए रखने के लिए बातचीत कर रहा है भारत, राष्ट्रपति मोइज्जू ने कही यह बात

मालदीव, 03 दिसम्बर 2023। द्वीपीय राष्ट्र में सैन्य अड्डा बनाए रखने के लिए भारत और मालदीव चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्ष इससे संबंधित तथ्यों पर विचार करने के लिए एक कोर ग्रुप स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि मालदीव पक्ष ने भारतीय सैन्य प्लेटफार्मों की उपयोगिता को स्वीकार किया है। इससे पहले दिन में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पत्रकारों को बताया था कि नई दिल्ली उनके देश से अपने सैन्य कर्मियों को वापस लेने पर सहमत हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुइज्जू ने शुक्रवार को दुबई में कॉप-28 शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत की थी। समझा जाता है कि बैठक में यह मुद्दा उठा था। मोदी और मुइज्जू के बीच बैठक के बाद, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी को और मौजूद करने के उपायों पर भी चर्चा की। वे एक कोर ग्रुप स्थापित करने पर सहमत हुए हैं।

कायस्थ सभा ने बाबू डॉ राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर उन्हें किया नमन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत के सँविधान सभा के अध्यक्ष तथा 2 बार के प्रथम राष्ट्रपति बाबू डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की 3 दिसम्बर को उनके जयंती पर स्थानीय कायस्थ सभा अम्बिकापुर के द्वारा प्रशासकीय भवन के निगम अम्बिकापुर के पास बाबू राजेन्द्र प्रसाद जी गार्डन में स्तिथ प्रतिमा स्वरूप फ्लेक्सी फोटो पर मालयापर्ण कर पुष्पांजलि समर्पित कर उन्हें नमन किया इस अवसर पर कायस्थ समाज के श्री हेमंत सिन्हा, अनिल सिन्हा(अधिवक्ता) किरनेस सिन्हा,संजीव वर्मा ,पूनम सिन्हा,कृति सिन्हा,उज्ज्वल, प्रियंक वर्मा, अमित,सन्तोष ,ओनिमेश, अखिलेश,शयर्स,सौरभ निगम, अनमोल, मिथलेश व अन्य नागरिक उपस्थित होकर पुष्पांजलि अर्पित किया तथा मिष्ठान का वितरण किया।

विधानसभा चुनाव में सामरी सीट से दस वर्ष के बाद भाजपा प्रत्याशी ने जीता चुनाव

» कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर मनाई जीत का जश्न

- संवाददाता -
कुसमी,03 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने 2023 के विधानसभा चुनाव में सामरी सीट से भाजपा प्रत्यासी उधेश्वरी पैकरा ने कांग्रेस प्रत्यासी विजय पैकरा को हराकर फिर से सामरी सीट को भाजपा के पक्ष में ले आया,जिससे कार्यकर्त्ता और पदाधिकारी खुशी से झुम उठे जगह जगह पर पटाखे फोड़कर कार्यकर्ता नाच गाकर नारेबाजी करते हुए जीत का जश्न मनाया,दरसल बात की जाय तो पूर्व में ज्यादातर विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्यासी ही जीतकर सामरी सीट को भाजपा के पक्ष में लाते थे ,जिससे की सामरी विधानसभा को लोग भाजपा का ही

सीट मानते थे,लेकिन पिछले दस वर्ष पूर्व कांग्रेस के डॉ प्रीतम राम ने चुनाव जीता और फिर चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार चिंतामणि महराज ने चुनाव जीता लगातार दो पंचवर्षीय विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा , लेकिन इसबार भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मेहनत रंग लाई और जानकारी के मुताबिक भाजपा उम्मीदवार उधेश्वरी पैकरा कांग्रेस उम्मीदवार विजय पैकरा को करीब 13 हजार 9 सौ 65 मतों से हराकर सामरी सीट को भाजपा के पाले में ले आया और वही सरकार भी छत्तीसगढ़ में इसबार भाजपा ही बनाने जा रही है, पुरे प्रदेश में भाजपा ने अधिक सीट लाई जिससे कार्यकर्त्ता और पदाधिकारी गण खुशी से झूम उठे। और जीत का जश्न भी मना रहे हैं।

तीनों विधानसभा में भाजपा प्रत्याशियों की हुई जीत

- संवाददाता -
जशपुरनगर, 03 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

» विजयी प्रत्याशियों को संबंधित विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर ने प्रदाय किया विजयी प्रमाण-पत्र

» जिले की तीनों सीटों की शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई मतगणना

» जशपुर विधानसभा में 24, कुनकुरी और पत्थलगांव में 20-20 राउंड में हुई मतगणना

» भाजपा प्रत्याशी विधानसभा जशपुर को 89103, कुनकुरी को 87604 एवं पत्थलगांव को 82320 मिला वोट

» भाजपा प्रत्याशी रायमुनी भगत 17645, विष्णु देव साय 25541 एवं गोमती साय 255 मतो से रहे आगे

विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान हुआ। जशपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए द्वितीय चरण में 17 नवंबर 2023 को हुए मतदान के बाद 03 दिसम्बर 2023 रविवार को मतों की गिनती कड़ी सुरक्षा के बीच हुई। मतगणनाा पश्चात् विजयी प्रत्याषी भारतीय जनता पार्टी के श्रीमती रायमुनी भगत, विष्णु देव साय और गोमती साय को संबंधित विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में विजयी प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस दौरान प्रेक्षक राजीव रंजन, राजीव पराषर, सुश्री निषु सिंघल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी.रविशंकर, जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना अलग-अलग कक्षों पर सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुई। मतगणना स्थल पर केवल अधिकृत पास-धारक व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया गया। मतगणना सेंटर पर प्रत्येक विधानसभा के लिए पृथक-पृथक मतगणना कक्ष बनाए गये थे। जहां आयोग के निर्देशानुसार टेबलों की व्यवस्था पोस्टल बैलेट एवं ईव्हीएम की मतगणना के लिए की गई थी। प्रेक्षकों की निगरानी में मतगणना की शुरुआत हुई और उनकी उपस्थिति में ही पूरी मतों की गिनती सम्पन्न हुई। जिसके लिए तीनों विधानसभा हेतु 14-14 टेबल लगाए गए थे। केंद्र में ईव्हीएम की मतगणना टेबल पर एक काउंटिंग सुपवाईजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट एवं एक काउंटिंग स्टॉफ तथा एक माइक्रो आर्ब्जवर पूरी गणना के दौरान मौजूद रहे। इसी प्रकार पोस्टल बैलेट की गणना टेबल पर एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी, एक काउंटिंग सुपरवाईजर, दो काउंटिंग असिस्टेंट तथा एक माइक्रो आर्ब्जवर उपस्थित रहे। ईव्हीएम/पोस्टल बैलेट की टेबल पर अभ्यर्थी के काउंटिंग एजेंट भी मौजूद रहे। इस दौरान सभी गतिविधियों की सीसीटीवी कवरेज भी किया गया। इलेक्शन आर्ब्जवर के अतिरिक्त किसी को भी मतगणना हॉल में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं थी। जिला मुख्यालय पर सुबह 8 बजे विधानसभा क्षेत्रवार मतगणना प्रारंभ हुई। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की मतगणना की गई। पोस्टल बैलेट की मतगणना के आधे घण्टे पश्चात प्रातः 8:30 बजे ईव्हीएम से मतगणना प्रारंभ की गई। जशपुर विधानसभा 24, कुनकुरी और पत्थलगांव विधानसभा 20-20 राउंड में मतगणना सम्पन्न हुआ।

मतगणनानुसार जशपुर विधानसभा में कुल 1,81,056 वोट डाले गए हैं। इनमें आम आदमी पार्टी के प्रकाश टोप्पो को 2755, भारतीय जनता पार्टी के रायमुनी भगत को 89103, इण्डियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के विनय कुमार भगत को 71458, जनता कांग्रेज छत्तीसगढ़ के सरहुल राम भगत को 1769, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राजेश लकड़ा को 448, बहुजन मुक्ति पार्टी के रूपनारायण एक्का को 585, हमर राज पार्टी के सुकरू भगत को 366, निर्दलीय उमीदवार प्रदीप खेस्स को 7571, प्रदीप सिंह को 1376, मनोज भगत को 1020, शिवप्रसाद भगत को 1281 मत मिले हैं। साथ ही नोटा में 3324 मद डाले गए हैं।

इसी प्रकार कुनकुरी विधानसभा में कुल 1,59,560 वोट डाले गए हैं। इनमें इंडियन नेशनल कांग्रेस के यू.डी.मिंज को 62063, आम आदमी पार्टी के लेयोस मिंज को 1945 भारतीय जनता पार्टी के विष्णु देव साय को 87604, हमर राज पार्टी के अलबर्ट मिंज को 1749, सर्व आदि दल चारलेश एक्का को 486, बहुजन मुक्ति पार्टी के दिनेश कुमार भगत को 289, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के भगत पैंकरा को 385, निर्दलीय अभ्यार्थी इन्द्रनाथ पैंकरा को 293, कमलेश्वर राम नायक को 680, कौशल कुमार ओहदार को 842, छत्तीसगढ़ महतारी पार्टी के फिलिप्स टोप्पो को 693 मत मिले हैं। साथ ही नोटा में 2531 मद डाले गए हैं।

पत्थलगांव विधानसभा में कुल 1,79,480 वोट डाले गए हैं। इनमें उरांव बहुजन समाज पार्टी के इनोसेंट कुमार बिड़ना को 2344, भारतीय जनता पार्टी के गोमती साय को 82320, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के नेहरू लकड़ा को 1754, आम आदमी पार्टी केराजा राम लकड़ा को 3675, इंडियन नेशनल कांग्रेस के रामपुकार सिंह ठाकुर को 82065, हमर राज पार्टी, के अनिल कुमार परहा को1755, बहुजन मुक्ति पार्टी के सुनील कुमार खलखो को 1061 एवं निर्दलीय रत्थू राम पैंकरा को 1375 मत मिले हैं। साथ ही नोटा में 3131 मद डाले गए हैं।

पोस्टल बैलेट के मतगणना अनुसार जशपुर विधानसभा में 1092, कुनकुरी विधानसभा में 1175 एवं पत्थलगांव विधानसभा में 1191 सहित कुल 3458 मतदान पोस्टल बैलेट से किए गए है। इसी प्रकार विधानसभा निर्वाचन 2023 में जशपुर जिले के तीनों विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रायमुनी भगत 17645, विष्णु देव साय 25541 एवं गोमती साय 255 मतो से आगे रहे।

CMYK

विभाजित कोरिया की तीनों विधानसभा से भाजपा की बड़ी जीत...

दैनिक घटती-घटना की खबर पर लगी मोहर

भाजपा ने कांग्रेस का किया तीनों विधानसभा से सफाया...जश्न में डूबे भाजपाई...मायूस हुए कांग्रेस प्रत्याशी व समर्थक

भईया लाल राजवाड़े ने रिकार्ड मतों से दर्ज की जीत...श्याम बिहारी के सामने नहीं टिक पाये रमेश सिंह वकील...रेणुका सिंह के सामने गुलाब का भी नहीं चला जादू

छत्तीसगढ़ के विधानसभा नंबर 1 से लेकर 14 तक कांग्रेस को मिली हार

सबसे ज्यादा विकास करने वाले विकास पुरुष को भी हारना पड़ा चुनाव...कमियों मंथन की जरूरत

अम्बिका सिंहदेव को हराकर भईया लाल राजवाड़े ने लिया हार का बदला

पूर्व कैबिनेट मंत्री भईया लाल राजवाड़े पिछला चुनाव तकरीबन 5000 वोट से हारे थे पर इस बार उन्होंने 25000 से अधिक वोट से हराकर इसका करारा जवाब कांग्रेस प्रत्याशी को दिया और पुरानी हार का बदला भी लिया और साथ ही जो महल आज तक नहीं हारा था उसे हरा के एक नया ही इतिहास रच दिया।

मतगणना शुरू होने के कुछ देर बाद ही निकली अंबिका सिंहदेव

मतगणना के पहले रुझान से ही अंबिका सिंहदेव को हार का अंदेशा लग गया, जिस वजह से वह मैदान छोड़कर चल पड़ी फिर उसके बाद उन्होंने दोबारा आना मुनासिब नहीं समझा और लोग इस बात को लेकर चर्चा करते रहे अंततः अंबिका सिंह देव को उन्हीं का घमंड व उनकी कार्यप्रणाली ने ले डूबा।

घटती-घटना की कई खबरों पर लगी मुहर-

दैनिक घटती-घटना खबर ने लगातार इस बात को लेकर खबर प्रकाशित कर रही थी कि बैकुंठपुर में प्रत्याशी नहीं बदल गया तो कांग्रेस को हर का सामना करना पड़ेगा और अंततः वही हुआ, प्रत्याशी नहीं बदल गया और जिस प्रत्याशी को दोबारा मौका दिया गया अंतत उन्हें बहुत बुरी तरीके से भाजपा प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े के सामने हारना पड़ा और साथ ही कई इतिहास भी इसके साथ जुड़ गए।

पैलेस की होगी हार,घटती घटना ने पहले ही कहा था...

कोरिया पैलेस आज तक चुनाव को लेकर एक कीर्तिमान बनाकर रखा था कि उसकी हर नहीं हुई थी पर हर होना संभव था जिस बात को लेकर दैनिक घटती-घटना ने कई बार खबरों में प्रकाशित करके इसका अंदेश जताया था अंततः बैकुंठपुर प्रत्याशी के हार ने के बाद पैलेस की हर अंततः हो ही गई, लोगों का भी ऐसा मानना है की पहली बार चुनाव में पैलेस को हारना पड़ा। सरगुजा संभाग का दोनों पैलेस इस बार हार गया।

हर क्षेत्र से आगे रहे भईया लाल राजवाड़े

पूर्व कैबिनेट मंत्री भईया लाल राजवाड़े को लोग मान रहे थे कि वह कांग्रेस प्रत्याशी के सामने नहीं टिकेंगे क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी के लिए तमाम बड़े-बड़े नेताओं ने आमसभा की थी और उसके जीतने के लिए लोगों से मत मांगा था साथ ही एक मजबूत घोषणा-पत्र भी उनके साथ था, इसके बावजूद भईया लाल राजवाड़े ने हर पोलिंग बूथ से अपनी बढ़त बनाने में कामयाब रहे हर राउंड में वह आगे रहे किसी भी राउंड में वह पीछे नहीं हुए। जब की कोई भी स्टार प्रचारक भईया लाला राजवाड़े के लिए नही आए थे अकेले उन्होंने प्रचार किया जिस वजह से उन्हें सफलता मिली।

बैकुंठपुर शहर से भी पहली बार हुई जीत-

बैकुंठपुर शहर हर बार कांग्रेस को जीत दिलाता है पर इस बार बैकुंठपुर शहर से भी कांग्रेस को हारना पड़ा ऐसा क्या हुआ कि बैकुंठपुर शहर भी अपने स्थानीय विधायक से खफा रही जिसका नतीजा यह था कि भारतीय जनता पार्टी को पहली बार बैकुंठपुर शहर से बढ़त मिली और एक अलग ही कीर्तिमान दर्ज हो गया।

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी,03 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया/एमसीबी 03 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। विभाजित कोरिया जिले के तीनों विधानसभा में भाजपा को बड़ी जीत मिली है कांग्रेस का तीनों विधानसभा से सफाया हो गया...कहा जाए तो भाजपा ने कांग्रेस का क्लीनस्विप कर दिया, इसी के साथ घटती-घटना की खबर पर मोहर भी लग गई, दैनिक घटती-घटना ने तीनों सीटों पर जीत का अनुमान पहले ही लगाया था जो अनुमान परिणाम में बदल गया, वहीं यदि बात की जाए कांग्रेस के तीन विधानसभा के प्रत्याशियों की तो बहुत बुरी तरीके से हार मिली है, विकास पुरुष से लेकर विधायक सभा क्रमांक के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक विधायक को भी हार न पड़ा, सबसे बुरी हार तो बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी की देखने को मिली जहां इन्हें जीत दिलाने के लिए टिकट दिलवाने से लेकर उनके प्रचार की आम सभा तक काफी तेज थी फिर भी हार का सामना करना पड़ा, इन्हें टिकट दिलाने के लिए दिग्गज नेताओं ने खूब मेहनत की साथ ही इन्हें जीत दिलाने के लिए चुनाव प्रचार के आम सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष व सांसद ने विधायक की आमसभा में शामिल हुए, इसके बावजूद कांग्रेस का घोषणा पत्र भी कारगर माना जा रहा था यह सब काम नहीं है और बुरी तरीके से हार का सामना करना पड़ा। वहीं विधानसभा क्रमांक एक कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब कमरों जो की सबसे मजबूत माने जा रहे थे और विकास पुरुष कहा जा रहा था पर इनका विकास कार्य भी इन्हें हर से नहीं बचा पाया, आखिर उनके कार्यकर्ताओं ने उनकी लुटिया डूबा दी और यह हार गए है।

विभाजित कोरिया के चुनावी परिणामों ने यह बता दिया की जनता का रूप क्या है, जनता कैसा सोचती है और जनता को क्या चाहिए, नेता ने जहां जनता को बेवकूफ समझ कर चुनाव जीतने की उम्मीद कर रहे थे उन्हें ही यह उल्टा पड़ गया, कोई नहीं सोचा था की सरगुजा की 14 के 14 सीटें कांग्रेस हार जाएगी,जिस प्रकार पिछले बार बीजेपी 14 सीट हार गई थी ठीक उसी प्रकार कांग्रेस ने भी अपने 14 सीटें गाव के बीजेपी को जीत दिला दी, कोरिया विधानसभा की बात की जाए तो कांग्रेस को विधायक नंबर एक पर पूर्ण भरोसा था कि वह जीत के आएंगे पर उन्होंने भी उनके मनसा पर पानी फेर दिया और छत्तीसगढ़ का पहला विधानसभा भी कांग्रेस को हारना पड़ा एक से लेकर 14 नंबर तक का विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस हार गई, किसी ने नहीं सोचा था कि ऐसा परिणाम भी आएगा, जो भी हो जैसा भी हो पर भारतीय जनता पार्टी के लिए यह चुनाव काफी यादगार रहा और साथ ही कांग्रेस को करारी शिकस्त मिली की चारों खाने चित हो गई कांग्रेस।

भईया लाल राजवाड़े की तीसरी जीत तो वही श्याम बिहार जायसवाल की दूसरी

भईया लाल राजवाड़े पांच बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं जिसमें से उन्हें तीन बार जीत मिली और दो बार हार का सामना करना पड़ा, पहली बार काका के हाथों हार मिली थी और चौथी बार भतीजे के हाथों हार मिली थी पर पांचवीं बार उसे हार का बदला भईया लाल ने भतीजी को हराकर व महल को हराकर ले लिया। वही श्याम बिहार जायसवाल की यह दूसरी जीत है।

जीतने के बाद शैलेष शिवहरे के कार्यालय पहुंचे भईया लाल

जीत मिलते ही पूर्व कैबिनेट मंत्री भईया लाल राजवाड़े शैलेश शिवहरे के कार्यालय पहुंचे और उन्हें उनके मेहनत के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और उनकी मेहनत की सराहना की और जीत में उनका योगदान बताया।

लीड बढ़ते ही शहर में शैलेष शिवहरे ने निकाली रैली

भारतीय जनता पार्टी की लीड बढ़ते ही शैलेश शिवहरे ने रैली निकाल दी और पूरे दिन भर लोग जश्न में डूबे रहे, ढोल नगाड़े व आतिशबाजी होती रही पर वहीं हरने वाले के खेमा में मायूसी साफ देखने को मिली।

ढोल नगाड़ों में थिरकते नजर आए भाजपा कार्यकर्ता, महिला कार्यकर्ता भी उत्सुक

भाजपा की जीत पर भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक ढोल नगाड़े के धुन पर फिर रखते दिखे और खूब उत्साह के साथ नाच साथ ही महिला कार्यकर्ताओं में भी उत्साह काफी देखने को मिला उसका ऐसा था कि लोगों से देखकर भी उत्साहित होने लगे और उनके जश्न में शामिल हो गए।

भरतपुर में गुलाब कमरो की हार से उत्साह का माहौल

भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरों की हर ने भी पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल कर दिया गुलाब कमरों का विरोध अंदर खाने में बहुत था पर इस विरोध को ना पार्टी समझ पाई ना खुद प्रत्याशी समझ पाए और अंततः बाहर से आई प्रत्याशी के सामने हारना पड़ा जहां बाहर से प्रत्याशी को बात कर कांग्रेस जीतने का प्रयास कर रही थी वही बाहर से आने वाली प्रत्याशी ने कांग्रेस प्रत्याशी को करारी हार दे दी और उनकी बोलती बंद हो गई वहीं बीजेपी खेमा में जमकर उत्साह दिखा और कांग्रेस प्रत्याशी के हर पर जश्न मनाया गया।

गोंगपा ने कमरो को धकेला पीछे

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की बढ़त ने कांग्रेस प्रत्याशी को पूरी तरीके से नुकसान पहुंचा और हर का मजा कांग्रेस प्रत्याशी को चकना पड़ा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने अपने वोट प्रतिशत को बढ़ाया जिस वजह से कांग्रेस प्रत्याशी का वोट प्रतिशत घट गया और बीजेपी को जीत मिल गई।

कांग्रेस प्रत्याशी के हार वाले रुझान पर लड्डू खिलाते दिखे विरोधी कांग्रेसी...सोशल मीडिया पर फोटो हुई पोस्ट

जिन लोगों को कांग्रेस प्रत्याशी ने किया था किनारा वह लोग उनकी हार पर दिखे काफी खुश

-रवि सिंह-
कोरिया 03 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी को रिपीट करना कांग्रेस को भारी पड़ी गया, पहले से ही यह बात कही जा रही थी कि बैकुंठपुर विधानसभा में वर्तमान विधायक प्रत्याशी को दोबारा मौका देना खतरे से खाली नहीं पर इसके बावजूद कुछ दिग्गज नेताओं ने अपनी मनमानी चलाई और बैकुंठपुर विधानसभा पर दोबारा उसी प्रत्याशी को मौका दे दिया, मौका देना इसलिए नहीं चाह रहे थे क्योंकि उनका विरोध इस विधानसभा में इतना अधिक था कि कोई भी इन्हें जीत नहीं दिला सकता था, अंतत हुआ भी कुछ ऐसा ही खुद कांग्रेस प्रत्याशी अपने लोगों को एकजुट नहीं कर पाई, अपनी ही पार्टी में उन्होंने विरोध खूब किया यही वजह थी कि उनके हार पर उनके विरोधी ही खुश नजर आए और लड्डू खिलाकर उनके हार पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया,पोस्ट में भले ही खास लिखा नहीं पर समझने वाले इशारा समझ गए,वहीं तस्वीर साफ कह रही थी कि सारे विरोधी एक साथ होकर चुनावी रुझान को देखते हुए प्रत्याशी के हार पर खुशी जाहिर कर रहे थे।

जिले के दोनों विधानसभा में भाजपा की जीत

-संवाददाता-
बलरामपुर 03 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 07-रामानुजगंज एवं 08-सामरी का मतगणना 03 दिसम्बर 2023 को लाइवलीहुड कॉलेज भेलवाडीह बलरामपुर के परिसर में सम्पन्न हुआ। विधानसभा क्षेत्र 07-रामानुजगंज में भारतीय जनता पार्टी के रामविचार नेताम ने कांग्रेस के निकटतम प्रतिद्वंदी डॉ. अजय तिर्की को 29740 मतों से हराया। भारतीय जनता पार्टी के श्री नेताम को कुल डाक मत सहित 99574 तथा कांग्रेस के डॉ. तिर्की को 69911 मत मिले। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 08-सामरी में भारतीय जनता पार्टी की श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के श्री विजय पैकरा को 13643 मतों से हराया। भारतीय जनता पार्टी के श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा को डाक मत सहित 83483 तथा कांग्रेस के श्री विजय पैंकरा को 69540 मत मिले। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के विजयी प्रत्याशी रामविचार नेताम को विधानसभा रामानुजगंज के रिटर्निंग ऑफिसर गौतम सिंह ने तथा सामरी विधानसभा क्षेत्र के विजयी प्रत्याशी श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा को विधानसभा सामरी के रिटर्निंग ऑफिसर चेतन साहू ने प्रमाण पत्र प्रदाय किया। ज्ञातव्य है कि रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 182475 मतदाताओं ने एवं विधानसभा क्षेत्र सामरी में 183425 मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया।

CMYK

कोरिया एमसीबी के तीनो सीटों में खिला कमल,भैयालाल 25 हजार, श्याम बिहारी 11 हजार व रेणुका सिंह 47 सौ से अधिक मतों से हुई विजयी

जीत का श्रेय कार्यकताओं की मेहनत,बैकुंठपुर वासियों के प्रेमःभैयालाल

बैकुंठपुर में शांतिपूर्ण निपटा मतगणना,कोरिया वासियो का किया कलेक्टर ने आभार व्यक्त

विधानसभा चुनाव के रिजल्ट

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर सोनहत

कांग्रेस - गुलाब कमरों - 49827

बीजेपी - रेणुका सिंह - 54627

बीजेपी प्रत्यासी रेणुका सिंह 4800 जीती

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 02 मनेंद्रगढ़

कांग्रेस - रमेश सिंह - 36381

बीजेपी - श्याम बिहारी जायसवाल - 48189

बीजेपी प्रत्यासी श्यामबिहारी जायसवाल 11808 जीते

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 03 बैकुंठपुर

कॉग्रेस - अंबिका सिंहदेव 41 हजार 553

बीजेपी - भैयालाल राजवाड़े - 66 हजार 866

25 हजार 413 मतों से भाजपा से भैयालाल राजवाड़े जीते

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी 03 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

17 नवम्बर को हुए मतदान के बाद पूरे जिले में रिजल्ट को लेकर बेसब्री से इंतजार में आम से लेकर खास तक टकटकी नजर लगाए हुए थे। 3 दिसम्बर को परिणाम आया और शुरू से बढ़त बनाए हुए भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े को कुल 66 हजार 866 मत मिले और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी अम्बिका सिंहदेव से 25 हजार 413 मतों से जीत हासिल की। बैकुंठपुर विधानसभा में 8 प्रत्याशी चुनाव में भाग्य आजमाए थे। कांग्रेस प्रत्याशी अम्बिका सिंहदेव को कुल मत 41 हजार 453 मिले। जबकि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉ आकाश कुमार को 1 हजार 872 मत मिले तो जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) दुर्गेश साहू को 472 मत मिले। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशी मेजर प्रसाद यादव को 1 हजार 426 मत प्राप्त हुआ। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सोमार साय को 746 मत मिले, वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी इंजीनियर संजय सिंह कमरो को 23 हजार 288 मत मिले, तो निर्दलीय प्रत्याशी बृजमोहन साहू को 649 मत प्राप्त हुए तो नोटा पर 1 हजार 934 मतदाताओं ने बटन दबाया। इस तरह ईवीएम व पोस्टल बैलेट से 1 लाख 38 हजार

706 मतदाताओं ने मतदान किए थे। रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल, बैकुंठपुर में मतगणना सुबह निर्धारित समय 8 बजे प्रारम्भ हुआ था।

मतगणना के लिए 14 टेबल लगाए गए थे। 17 राउंड में हुए मतगणना में शुरू से भैयालाल राजवाड़े बढ़त बनाए हुए थे।

कुशासन पर सुशासन की जीत,बकुंठपुर की जनता का स्नेह, दिया ऐतिहासिक जीत का उपहारःभैयालाल राजवाड़े

इसी तारतम्य में भाजपा से पूर्व मंत्री रहे कोरिया जिले की विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े को बड़ी जीत प्राप्त हुई है। भैयालाल राजवाड़े को कुल प्राप्त मत जहां 66866 तो वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव को 41453 मत प्राप्त हुए थे जिसमे 25413 मतों से भाजपा प्रत्याशी भैयालाल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अपनी जीत पर भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े ने बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा की ये मेरी जीत नहीं है ये बैकुंठपुर विधानसभा सभा की जनता की जीत है उनका स्नेह है जो मुझे आशीर्वाद स्वरूप प्राप्त हुआ है। भैयालाल राजवाड़े ने आगे कहा की मुझ पर जनता ने जो भरोसा जताया है मैं उनके सेवा में सदैव तत्पर रहूंगा। वहीं बैकुंठपुर विधानसभा सीट से भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर प्रसन्नतंता जताते हुए कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने जनता का आभार व्यक्त किया और इस ऐतिहासिक जीत के लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बेजोड़ मेहनत और संकल्पित लक्ष्य की सफलता पूर्वक प्राप्ति के लिए उत्साहवर्धन किया और उन्हें इस बड़ी जीत की ढेरों बधाई दी है।

एमसीबी जिले के दोनों विधानसभा के नतीजे

03 दिसम्बर मतगणना तिथि पर जिले के दोनों विधानसभा भरतपुर-सोनहत (01) व मनेन्द्रढ़ (02) के अंतिम परिणाम में विधानसभा भरतपुर-सोनहत (01) के प्रत्याशियों के परिणाम- गुलाब कमरो (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 50186, रेणुका सिंह सरूता (भारतीय जनता पार्टी) को 54935, सुखमंती सिंह (जेसीसीजे) को 1121, फूलमती गोंड (समाजवादी पार्टी) को 463, लक्ष्म बैगा (गण सुरक्षा पार्टी) को 1263, श्याम सिंह मरकाम (गोंडवाना गणतंत्र पार्टी) को 33840, संतोषी (छत्तीसगढ़िया पार्टी) को 651, शीमला चेरवा (निर्दलीय) को 971, शुभ शरण सिंह (निर्दलीय) को 1032 तथा नोटा में कुल 2544 मत प्राप्त हुये। वही डाक मत पत्र के 42 मत नितस्त किये गये। विधानसभा मनेन्द्रगढ़ (02) के प्रत्याशियों के परिणाम- रमेश सिंह वकील (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 36623, श्याम बिहारी जायसवाल (भारतीय जनता पार्टी) को 48503, आदित्य राज डेविड (जेसीसीजे) को 1519, अयोध्या प्रसाद (छत्तीसगढ़िया पार्टी) को 564, अरूणा पनिका (गण सुरक्षा पार्टी) को 342, ओम प्रकाश अहिरवार (पिप्पुल्स पार्टी ऑफ इण्डिया) को 253, महेश प्रसाद (भारतीय शक्ति चेतना पार्टी) को 536, शेख स्माइल (गोंडवाना गणतंत्र पार्टी) को 10411, सुनिता वर्मा (निर्दलीय) 595, नोटा को 1303 मत प्राप्त हुये। वही डाक मत पत्र के 59 मत निरस्त किये गये एवं 676 डाक मत पत्रों की गणना की गयी । इस प्रकार विधानसभा क्षेत्र 01 से भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह कांग्रेस के गुलाब कमरों से 4749 तथा विधान सभा क्षेत्र 02 में भाजपा प्रत्याशी श्याम बिहारी जायसवाल कांग्रेस से 11880 मतों से विजयी हुए। विधानसभावार भरतपुर-सोनहत (01) से रेणुका सिंह सरुता, मनेन्द्रगढ़ (02) से श्याम बिहारी जायसवाल अंतिम परिणाम इनके पक्ष में आये।

5 प्रत्याशियों का हुआ जमानत जब्त

बैकुंठपुर विधानसभा में 5 प्रत्याशियों का जमानत जब्त हुआ है।

क्या है जमानत जब्त?

– जब कोई उम्मीदवार सीट पर पड़े कुल वोटों का 1/6 यानी 16.66 प्रतिशत वोट हासिल नहीं कर पाता तो उसकी जमानत जब्त कर ली जाती है। उदहारण के लिए अगर किसी सीट पर 1 लाख वोट पड़े हैं और वहां 5 उम्मीदवारों को 16,666 से कम वोट मिले हैं, तो उन सभी की जमानत जब्त कर ली जाएगी।

कलेक्टर ने दी बधाई–कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विजयी प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े को जीत की बधाई दिया। इसके पहले आरओ अंकिता सोम ने जीत हासिल किए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े को प्रमाण-पत्र प्रदान किया।

कलेक्टर ने किया आभार व्यक्त

श्री लंगेह ने भारत निर्वाचन आयोग से आए प्रेक्षको का भी आभार व्यक्त किए, जिनके मार्गदर्शन, सुझाव पर जिले में शान्ति पूर्वक निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराने में मदद मिली। श्री लंगेह ने कहा कि विगत 3-4 माह से निर्वाचन कार्य में पूरे सरकारी अमले लगे हुए थे। लोकतन्त्र के इस महापर्व में उन्होंने एसपी त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत के सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नन्दिनी साहू, संयुक्त कलेक्टर नीलम टोप्पो, आरओ श्रीमती अंकिता सोम सहित सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, मतगणना अधिकारियों, आब्जर्वर, नोडल अधिकारियों, पुलिस प्रशासन के अमले, सुरक्षा जवान, मीडिया प्रतिनिधियों व जिलेवासियों का इस कार्य में भरपूर सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2018 के आंकड़े

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। भाजपा के भैयालाल राजवाड़े को 43 हजार 546 मत प्राप्त हुआ था, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अम्बिका सिंहदेव को 48 हजार मत प्राप्त हुआ था। इस तरह 5 हजार 339 मत से जीत हासिल की थी, वहीं नोटा में 2 हजार 630 मत पड़े थे। बता दें 17 नवम्बर को बैकुंठपुर विधानसभा में हुए मतदान में 81.94 प्रतिशत मतदान हुआ था। 228 मतदान केन्द्रों में कुल 1लाख 68 हजार 81 मतदाताओं में से 1 लाख 37 हजार 726 मतदाताओं ने मतदान किए थे।

जिले के तीनों विधानसभा भाजपा के कब्जे में,कांग्रेस का नहीं खुला खाता

प्रेमनगर भटगांव व प्रतापपुर से भाजपा की एक तरफा जीत,पहले राउंड से ही जारी रही बढ़त,कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर,जमकर फोड़े फटाके

-ओंकार पांडेय-
सूरजपुर,03 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

जिले की तीन विधानसभा सीटों में से भाजपा ने तीनो सीट पर जीत दर्ज की है। जबकि कांग्रेस जिले में खाता नहीं खोल सकी। चुनावी मुकाबले में भाजपा ने सभी सीटो पर एक तरफा जीत दर्ज की है। तीनो विधानसभा में मतदाताओं ने नए चेहरे पर भरोसा किया है।प्रेमनगर विधान सभा कांग्रेस के खेल साय सिंह को भूलन सिंह मरावी ने शिकस्त दी है। भटगांव विधान सभा के पारस नाथ राजवाड़े को भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष लक्ष्मी राजवाड़े ने पराजित किया तो वही कांग्रेस की शिव भजन राजकुमार मरावी को शकुंतला पोर्ते के हाथो पराजित होना पड़ा। तीनो सीट भाजपा ने बड़े अंतर से जीती। तीनो सीटो पर पहले राउंड से ही भाजपा प्रत्याशियों ने बढ़त बनाए रखे जो अंत तक जारी रहा। बड़े अंतर से जीत के बाद भाजपा के पदाधिकारी भारी उत्साह में नजर आए तो वही कांग्रेस के लोगो में भारी मायूसी को देखने को मिली ।

सूरजपुर जिले की विधानसभा चुनाव का परिणाम में जिले की तीनों विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशियों ने प्रचंड बहुमत से विजयी हासिल किया।प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के खेलसाय सिंह को 33291 मतों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पारसनाथ राजवाड़े को 43962 मतों से परास्त कर विजयी हासिल किया है इसी प्रकार प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शकुंतला सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राजकुमारी मरावी को 11708 मतों से प्राप्त कर विजय हासिल की है। भाजपा के भारी मतों से जीत पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। जिले के तीनों विधानसभा के नतीजे घोषित परिणाम के अनुसार विधानसभा प्रेमनगर(04) के प्रत्याशियों के खेलसाय सिंह (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 66253, भूलन सिंह मराबी (भारतीय जनता पार्टी) 99412, कोतमा (भारतीय शक्ति चेतना पार्टी) 1803, जयनाथ केराम (गोड़वाना गणतंत्र पार्टी) 14463, तिलेश्वरी सांडिल्य (अम्बेडकर राईट पार्टी ऑफ इण्डिया) 939, अंगत श्रीवास (निर्दलीय) 458, खेलसाय (निर्दलीय) 398, गणेश सिंह उर्रे (निर्दलीय)377, भूलन सिंह (निर्दलीय) 598, राजेश कुमार जगते (निर्दलीय)756, सूरज रवि (निर्दलीय) 932, संतोश विश्वकर्मा (निर्दलीय) को 1718 मत और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 3537 के पक्ष में मत आए।विधानसभा भटगांव (05) के प्रत्याशियों के परिणाम- पारसनाथ राजवाड़े (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 60804, लक्ष्मी राजवाड़े (भारतीय जनता पार्टी) 104662, नरेन्द्र साहू (बहुजन समाज पार्टी) 11401, सुरेन्द्र गुप्ता (आम आदमी पार्टी) 1069, समय लाल पाटील (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)1847, रामबाई देवांगन (निर्दलीय)561, अरविंद शरण सिंह (निर्दलीय)997, मोतीलाल पैकरा (हमर राज पार्टी)1130, आलम सिंह (निर्दलीय)1163, अशोक कुमार राजवाड़े (निर्दलीय)813, दिलीप कुमार यादव (निर्दलीय) 990, कपीलदेव पैकरा (कम्युनिस्ट पार्टी)2015, अजय कुमार कुशवाहा (नेशनल युथ पार्टी)299, कलावती सारथी (निर्दलीय)1487, पारस राजवाड़े (निर्दलीय)2562, सोनुलाल भगत (गोडवाना गणतंत्र पार्टी) 645, धर्मेन्द्र कुमार (समाजवादी पार्टी)432 और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 635 पक्ष में मत आए द्य विधानसभा प्रतापपुर (06) के प्रत्याशियों के परिणाम- राजकुमारी शिवभजन मरावी (इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी) को 71723 , शकुतंला सिंह पोर्ते (भारतीय जनता पार्टी) 83390, राजराम श्याम (आम आदमी पार्टी) 4838, सुन्दरलाल श्याम (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)1464, सीताराम पण्डो (समाजवादी) 548, गीता सोन्हा (हमर राज पार्टी)1298, जगमोहन सिंह (गोडवाना गणतंत्र पार्टी)17013, रामनरायण सिंह (अम्बेकडर राईट पार्टी ऑफ इंडिया) 894, आशा देवी पोया (निर्दलीय)732, देवकुमारी आयम (निर्दलीय) 666, नैनेन्द्र सिंह मरावी (निर्दलीय)1542, राजकुमारी सिंह (निर्दलीय) 1427, शकुन्तला पैकरा (निर्दलीय)1497 और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 4348 पक्ष में मत आए।

डाक मतपत्र के अंतिम परिणाम-

विधानसभा प्रेमनगर(04) के प्रत्याशियों के परिणाम- खेलसाय सिंह (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 414, भूलन सिंह मराबी (भारतीय जनता पार्टी) 545, कोतमा (भारतीय शक्ति चेतना पार्टी)01 , जयनाथ केराम (गोड़वाना गणतंत्र पार्टी) 99, तिलेश्वरी सांडिल्य (अम्बेडकर राईट पार्टी ऑफ इण्डिया)02, अंगत श्रीवास (निर्दलीय)01, खेलसाय (निर्दलीय)02, गणेश सिंह उर्रे (निर्दलीय)01, भूलन सिंह (निर्दलीय)01, राजेश कुमार जगते (निर्दलीय)02, सूरज रवि (निर्दलीय)04, संतोश विश्वकर्मा (निर्दलीय)00 और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 02 प्राप्त हुये ।

विधानसभा भटगांव (05) के प्रत्याशियों के परिणाम

पारसनाथ राजवाड़े (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 396, लक्ष्मी राजवाड़े (भारतीय जनता पार्टी)500, नरेन्द्र साहू (बहुजन समाज पार्टी)40, सुरेन्द्र गुप्ता (आम आदमी पार्टी)11, समय लाल पाटील (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)04, रामबाई देवांगन (निर्दलीय)03, अरविंद शरण सिंह (निर्दलीय)06, मोतीलाल पैकरा (हमर राज पार्टी)44, आलम सिंह (निर्दलीय)00, अशोक कुमार राजवाड़े (निर्दलीय) 01, दिलीप कुमार यादव (निर्दलीय)00, कपिल देव पैकरा (कम्युनिस्ट पार्टी) 03, अजय कुमार कुशवाहा (नेशनल युथ पार्टी)00, कलावती सारथी (निर्दलीय)01, पारस राजवाड़े (निर्दलीय)03, सोनुलाल भगत (गोडवाना गणतंत्र पार्टी) 05 धर्मेन्द्र कुमार (समाजवादी पार्टी) को 00 मत और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 02 प्राप्त हुये द्यविधानसभा प्रतापपुर (06) के प्रत्याशियों के परिणाम- राजकुमारी शिवभजन मरावी (इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी) को 365, शकुतंला सिंह पोर्ते (भारतीय जनता पार्टी)406, राजराम श्याम (आम आदमी पार्टी)32, सुन्दरलाल श्याम (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)02, सीताराम पण्डो (समाजवादी)01, गीता सोन्हा (हमर राज पार्टी)13, जगमोहन सिंह (गोडवाना गणतंत्र पार्टी)28, रामनरायण सिंह (अम्बेकडर राईट पार्टी ऑफ इंडिया)03, आशा देवी पोया (निर्दलीय)01, देवकुमारी आयम (निर्दलीय)02, नैनेन्द्र सिंह मरावी (निर्दलीय)02, राजकुमारी सिंह (निर्दलीय)00 और शकुन्तला पैकरा (निर्दलीय) को 04 मत और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 03 प्राप्त हुये द्य विधानसभावार प्रेमनगर(04) में डाक मतपत्र से कुल 1172 वोट दिए गये जिनमे 98 निरस्त हुए,भटगांव(05) से डाक मतपत्र से कुल 1078 वोट दिए गय जिनमे 59 निरस्त हुए,और प्रतापपुर(06) से डाक मतपत्र से कुल 1443 वोट दिए गय जिनमे 570 निरस्त हुए। अंतिम परिणाम प्रेमनगर 04 से भुलन सिंह मरावी(भारतीय जनता पार्टी), भटगांव(05) से लक्ष्मी रजवाड़े (भारतीय जनता पार्टी), प्रतापपुर (06) से शकुंतला सिंह पोर्ते (भारतीय जनता पार्टी), के पक्ष में रहा।

कोरबा जिले के चारों विधानसभा से कांग्रेस के जीत का दावा हुआ फेल

लखनलाल देवांगन ने 25752 मत से जय को हराकर 15 साल बाद कोरबा विधानसभा में किया कब्जा,नहीं चला महिलाओं को दिया जाने वाला सालाना 15000/- का जादू

-संवाददाता-
कोरबा 03 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश में 03 दिसंबर को हुए विधानसभा चुनाव के मतगणना के पश्चात भाजपा ने मारी बाजी । वहीं जिले के चारो विधानसभा सीट में से दो कोरबा एवं कटघोरा (भाजपा)तो वही पाली तानाखार (गोंगपा) और रामपुर (कांग्रेस) के खेमे में गई । कोरबा विधानसभा जिसे प्रदेश के वीआईपी सीटों में गिना जा रहा था जहां से प्रदेश के राजस्व मंत्री एवं पंद्रह साल के विधायक रहे जयसिंह अग्रवाल को, 15 साल पूर्व कोरबा महापौर लखनलाल देवांगन ने 25752 मत से हराते हुए कोरबा विधानसभा में किया कब्जा । बता दे की जब से यह कोरबा विधानसभा क्षेत्र घोषित हुआ था तब से यह सीट लगातार कांग्रेस के खेमे में जा रही थी । 15 साल बाद यह पहला मौका है जब एक जनबल प्रत्याशी लखनलाल देवांगन (भाजपा) ने धनबल प्रत्याशी जयसिंह अग्रवाल (कांग्रेस) को भारी मतों से हराकर यह साबित कर दिया की जनता जिसके

साथ है जीत उसी की होगी । यहां यह भी उल्लेख करना होगा के कोरबा में भाजपा के इस जीत में युवा आइकन विकास महतो की भी बड़ी भूमिका रही । भले ही वे चुनाव प्रचार की कमान देरी से संभाले पर उनके आने से युवा कार्यकर्ताओं ने जोश दिखाते हुए अपने अपने क्षेत्रों में जोश के साथ ऐसे प्रचार किए जिसका नतीजा के 15 साल बाद कांग्रेस के गढ़ को भेदते हुए भाजपा ने भारी मतों से जीत हासिल की । बता दें कि प्रदेश में एक तरफ जहां कांग्रेस के अबकी बार 75 पार का नारा हुआ फेल तो वहीं कोरबा विधानसभा में कांग्रेस का नारा के अबकी बार 30000 पार का भी नारा हुआ फेल । वहीं जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में रामपुर विधानसभा से ननकीराम कंवर को कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह राठिया से 22859 मतों से हार का सामना करना पड़ा है । कटघोरा से प्रेमचंद पटेल (भाजपा) ने पुरुषोत्तम कंवर (कांग्रेस) को 17234 मतों से हराया है । वहीं पाली तानाखार की सीट पर गोंगपा ने किया कब्जा । जिले के चारों विधानसभा में कांग्रेस के जीत का दावा हुआ फेल । चुनाव नतीजे आने के पश्चात लखनलाल देवांगन ने प्रेस से चर्चा करते हुए कहा के जिस तरह से पूर्व विधायक का अहंकार बढ़ा था आज जनता ने उनके इस अहंकार को चकनाचूर कर दिया है । उन्होंने इस दौरान यह भी कहा की आने वाले समय में आपराधिक तत्व से जुड़े लोगों की खैर नहीं । प्रदेश में सरकार बनने के पश्चात आपराधिक गतिविधियों से जुड़े लोगों पर की जाएगी कार्यवाही । आखिर में लखनलाल देवांगन ने जनता एवं मीडिया का दिल से धन्यवाद दिया और कहा के जनता ने मुझपर विश्वास कर मुझे जिताया है मैं उनका विश्वास नहीं तोड़ूंगा और अब कोरबा में फिर से डबल इंजन के गति से रुके विकास कार्य को किया जायेगा ।

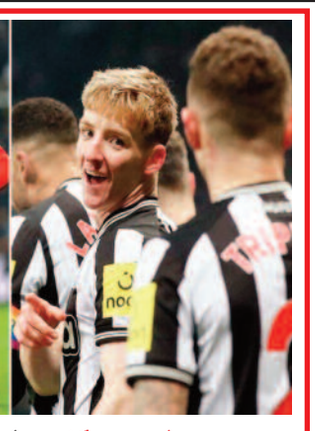

न्यूकासल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराया

लंडन,03 दिसंबर 2023। खिलाड़ियों की चोटों के बावजूद न्यूकैसल युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में मैनचेस्टर युनाइटेड को 1-0 से हरा दिया। न्यूकैसल के मैनेजर एडी होवे को लगातार तीसरे गेम में उसी लाइन-अप के साथ शुरुआत करनी पड़ी, लेकिन उनकी टीम उम्मीदों पर खरी उतरी और जीत दर्ज की। खेल का एकमात्र गोल एंथोनी गॉर्डन ने 55वें मिनट में किया, जो न्यूकैसल की जीत के लिए पर्याप्त था।

इस बीच, आर्सेनल ने वॉल्व्स को 2-1 से हराकर तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है। आर्सेनल के लिए बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल किये। आर्सेनल 14 मैचों में 33 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मैनचेस्टर सिटी 29 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, लेकिन उसने आर्सेनल से एक गेम कम खेला है। न्यूकैसल पांचवें स्थान पर है, आर्सेनल से सात अंक पीछे और मैनचेस्टर यूनाइटेड सातवें स्थान पर है। अन्य खेलों में, बर्नले ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए शेफ़ील्ड यूनाइटेड को 5-0 से और एवर्टन ने नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट को 1-0 से हराया। बर्नले के जे रोड्रिग्ज ने 16 सेकंड के भीतर गोल किया।

सीजन के पहले मैच में गुजरात जायंट्स ने तेलुगु टाइटंस को 38-32 से हराया

अहमदाबाद,03 दिसंबर 2023। रेडर सोनू के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जाइंट्स ने यहां ट्रांसस्टेडिया के ईकेए एरेना में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीजन 10 के शुरुआती मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए तेलुगु टाइटंस को 38-32 से हरा दिया।

मैच में सोनू ने 11 टच प्वाइंट बनाए और उनके साथी राकेश ने 5 टच प्वाइंट हासिल किए। इस बीच, तेलुगु टाइटंस के कप्तान पवन सहरावत ने सुपर 10 के जरिए प्रो कबड्डी लीग में धमाकेदार वापसी की। मैच के शुरुआती मिनटों में रजनीश की रेड से तेलुगु टाइटंस ने 4-3 की बढ़त ले ली। हालांकि, जाइंट्स ने वापसी की और 7वें मिनट में स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। कुछ ही देर बाद, राकेश ने एक शानदार रेड मारी और जायंट्स ने 6-5 से बढ़त बना ली। राकेश ने एक और रेड मारने की कोशिश की, लेकिन टाइटंस ने उन्हें रोक लिया और 10वें मिनट में 8-6 से आगे हो गए। तेलुगु टाइटंस की रक्षा इकाई ने टैकल करना जारी रखा और 14वें मिनट में अपनी टीम को 11-7 से बढ़त बनाए रखने में मदद की।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

ऑस्ट्रेलिया के अनकैप्ड लांस मॉरिस को मिला मौका

नईदिल्ली,03 दिसंबर 2023। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का ऐलान किया गया है।पर्थ में होने वाले इस मुकाबले के लिए पैट कमिंस के नेतृत्व में 14 सदस्यीय टीम घोषित की गई है। अनकैप्ड लांस मॉरिस भी टीम में चुने गए हैं। उनके अलावा बाकी सभी प्रमुख खिलाड़ियों को जगह मिली है।बता दें कि पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मॉरिस ने अपने फर्स्ट-क्लास करियर में अब तक 22 मैच खेले हैं, जिसमें 25.44 की औसत के साथ कुल 74 विकेट लिए हैं।इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 36 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा है। वह दौरान वह 2 बार 5 विकेट हॉल ले चुके हैं।हाल ही में उन्होंने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शेफील्ड शील्ड 2023 में 3 मैच खेले हैं, जिसमें 25.54 की औसत के साथ 11 विकेट हासिल किए हैं।

अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर के लिए यह आखिरी टेस्ट सीरीज होने वाली है। वह पहले ही बता चुके हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में होने वाले सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में वह टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लेंगे।उन्हें पिछले कुछ समय में टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम में चुना गया है।अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की चोट से रिकवरी के बाद टीम में वापसी हुई है।

एलेक्स कैरी बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज टीम में चुने गए हैं। वह हाल ही में वनडे टीम में जोस इंग्लिश के सामने पिछड़ते हुए नजर आए थे।कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज हैं जबकि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एक तेज गेंदबाजी के अन्य विकल्प हैं।लियोन की वापसी के चलते टॉड मर्फी को 14 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिल सकी है।

ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ 14 दिसंबर को पर्थ में पहला टेस्ट खेलना है।इसके बाद 26 दिसंबर से मेलबर्न में दूसरा टेस्ट और 3 जनवरी, 2024 से सिडनी में आखिरी टेस्ट खेला जाएगा।पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, लांस मॉरिस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क और डेविड वार्नर।

पाकिस्तानी टीमः शान मसूद (कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, हसन अली, इमाम-उल-हक, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम, नोमान अली, सैम अयुब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेटकीपर), सऊद शकील और शाहीन अफरीदी .

सेल्वम कार्थी की राष्ट्रीय हॉकी टीम में वापसी

नईदिल्ली,03 दिसंबर 2023। हॉकी इंडिया ने आगामी 5 देशों के टूर्नामेंट 2023 के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जो 15 से 22 दिसंबर तक स्पेन के वालेंसिया में आयोजित होने वाला है। भारत 5 देशों के टूर्नामेंट में मेजबान स्पेन, जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम के खिलाफ खेलेगा, जो 2023-24 एफआईएच हॉकी प्रो लीग खेलों से पहले तैयारी कार्यक्रम के रूप में काम करेगा। 24 सदस्यीय टीम में अनुभवी और युवा चेहरों का मिश्रण है, जिसका नेतृत्व शीर्ष ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह करेंगे। इस दौरे के लिए सुमित और अमित रोहिदास को हरमन के डिप्टी के रूप में नामित किया गया है।

गोलकीपिंग विभाग में नियमित रूप से शामिल पीआर श्रीजेश और कृष्ण बी पाठक के साथ सूरज कारकेरा की टीम में वापसी होगी। रक्षा में, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, सुमित, संजय और नीलम संजीप जेस के साथ नेतृत्व करेंगे। मिडफील्ड में विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह और यशदीप सिवाच और रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम जैसे युवा चेहरे हैं। इस बीच, फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, कार्थी सेल्वम, दिलप्रीत सिंह और आकाशदीप सिंह शामिल हैं। टीम चयन पर बोलते हुए, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ÷हम युवाओं और अनुभव के अच्छे मिश्रण के साथ एक संतुलित टीम के साथ जा रहे हैं। यह टूर्नामेंट हमें अलग-अलग चीजों को आजमाने और उसके अनुसार खुद को समायोजित करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करता है। यह युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और दुनिया की शीर्ष टीमों का सामना करने के दबाव का अनुभव करने का एक शानदार अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा, अगले सात महीने हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले हमें बहुत सारे खेल खेलने हैं और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम एक प्रक्रिया का पालन करें और चरण-दर-चरण आगे बढ़ें।

आर वैशाली शतरंज की ग्रैंडमास्टर बनीं

नईदिल्ली,03 दिसंबर 2023। शतरंज की दुनिया में एक दुर्लभ उपलब्धि में, प्रसिद्ध बाल प्रतिभाशाली प्रग्गानंधा की बड़ी बहन वैशाली रमेशबाबू स्पेन में एलोब्रेगेट ओपन में तुर्की के एफएम टैमर तारिक सेलेब्स को हराकर भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गई। यह पहली बार है जब किसी बहन-भाई की जोड़ी ने यह उपलब्धि हासिल की है।

प्रग्गानंधा,जो एक ग्रैंडमास्टर भी हैं, अगस्त में एफआईडीई विश्व कप के फाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से भिड़े थे।

वैशाली भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बनीं

22 वर्षीय वैशाली, जो अपने सेलिब्रिटी चैंपियन भाई से चार साल बड़ी हैं, यह खिताब जीतने वाली भारत की केवल तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर और तमिलनाडु की पहली हैं। यह उपलब्धि हरिका द्रोणावल्ली के ग्रैंडमास्टर खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला बनने के 12 साल बाद आई है। एक मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाले, दोनों ने अपने शतरंज करियर की शुरुआत चेन्नई में की थी। वह पहले ही महिला कैंडिडेट्स 2024 के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं और ग्रैंडमास्टर खिताब के साथ साल का समापन किया है। संयोग से, एक दशक पहले 12 साल की उम्र में वैशाली ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के प्रचार के हिस्से के रूप में आयोजित एक साथ आयोजित प्रदर्शनी मैच में कार्लसन को हराया था। उस मौके पर कार्लसन ने वैशाली सहित 20 चुनिंदा खिलाड़ियों के खिलाफ खेला था।

सीएम स्टालिन ने वैशाली की सराहना की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वैशाली की सराहना करते हुए कहा कि उसने अपने भाई के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली बहन-भाई की जोड़ी के रूप में इतिहास रचा है। ÷गौरव बढ़ाते हुए, अब आप पहले ग्रैंडमास्टर भाई-बहन हैं। हमें आपकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है, और आपकी उल्लेखनीय यात्रा शतरंज के इच्छुक उत्साही लोगों के लिए प्रेरणा है और हमारे राज्य में महिला सशक्तिकरण का प्रमाण है, उन्होंने एक्स पर कहा।

जूनियर वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 12 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में

नईदिल्ली,03 दिसंबर 2023। भारत के जूनियर मुक्केबाजों ने आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और येरेवन, आर्मेनिया में शानदार प्रदर्शन के बाद उनमें से 12 मुक्केबाजों ने फाइनल में प्रवेश किया। अमीषा (54 किग्रा) और पायल (48 किग्रा) ने रोमानिया के ट्रिगोस बुकुर रोशियो और कजाकिस्तान के बिबोलसिंकीज़ी सिला के खिलाफ टीम इंडिया के लिए दिन की विजयी शुरुआत की, दोनों ने सर्वसम्मति से 5-0 से मुकाबला जीता। प्राची टोकस (80+किग्रा) ने रूस की ओसिपोवा मारिया पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे रेफरी को जीत हासिल करने के लिए पहले दौर में ही प्रतियोगिता रोकनी पड़ी। दूसरी ओर, मेघा (80 किग्रा) ने ताकत और शक्ति का समान प्रदर्शन करते हुए रेफरी को चीनी ताइपे की त्सेंग एन ची के खिलाफ तीसरे राउंड में प्रतियोगिता जीतने से रोक दिया। विनी (57 किग्रा) आकांशा (70 किग्रा) और सृष्टि (63 किग्रा) ने अपने विरोधियों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। विनी का मुकाबला ग्रीस की कांतजारी ओरियाना से था, जबकि आकांशा और सृष्टि का मुकाबला क्रमशः आयरलैंड की मैकडोनाग मैरी और कजाकिस्तान की के अलीना से था।

निशा (52 किग्रा) ने पहले दौर में शुरुआती प्रभुत्व के बाद संघर्ष किया, लेकिन जल्द ही रूस की सिक्सटस डायना पर 4-1 से प्रभावशाली जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया। लड़कों ने दमदार प्रदर्शन किया और पांच में से चार मुक्केबाजों ने जीत हासिल की। दो दिग्गज हार्दिक पंवार (80 किग्रा) और हेमंत सांगवान (80+ किग्रा) ने बेलारूस के आर आंद्रेई और आर्मेनिया के के तिगरान के खिलाफ 5-0 की सर्वसम्मत निर्णय से आसान जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया।

रो कबड्डी लीग के रोमांचक मुकाबले में यू मुंबा ने यूपी योद्धा को 34-31 से हराया

अहमदाबाद,03 दिसंबर 2023। कॉम्पैक्ट और फॉर्म में चल रही यू मुंबई ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के टूर्नामेंट के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया और अहमदाबाद में पारंपरिक पावरहाउस यूपी योद्धाओं की चुनौती को परास्त कर दिया।

अमीरमोहम्मद जफरदानेश (11 अंक), रिंकू और गुमान सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यू मुंबा 34-31 से जीत हासिल करेगा।

यू मुंबा की टीम ने पहले हाफ में शुरुआती आदान-प्रदान में बेहतर प्रदर्शन किया और योद्धाओं की खतरनाक रेडिंग इकाई को एक-दूसरे से दूर रखा। हमले में हमेशा काफी कुशल रहने वाले परदीप ने अपने सीज़न की धीमी शुरुआत की और इसका असर स्कोरलाइन पर दिखा। पीकेएल के अनुसार, यू मुंबा के लिए अमीरमोहम्मद जफरदानेश शुरुआत में तीन सफल रेड के साथ नेतृत्व कर रहे थे, जिससे विपक्षी टीम पर दबाव बन गया।पहले हाफ के अंतिम 10 मिनटों में, अच्छी तरह से तैयार यू मुंबा ने योद्धाओं पर शिकंजा कसना जारी रखा और एक समय सात अंकों की बढ़त के साथ बढ़त बनानी शुरू कर दी। रिंकू ने कुछ बड़े टैकल किए थे, जबकि जफरदानेश महत्वपूर्ण रेड अंक अपने नाम कर रहे थे। योद्धा के परदीप पहले हाफ में एक भी अंक हासिल करने में असफल रहे, जिससे यू मुंबा पांच अंक आगे रहा। योद्धाओं ने पहले हाफ में सुपर टैकल के साथ शुरुआत की; हालाँकि, यू मुंबा की टीम को अपनी लय में वापस आने में ज्यादा समय नहीं लगा। जफरदानेश, रिंकू और गुमान सिंह जोश में थे और खेल छीनना चाह रहे थे। लेकिन योद्धा भी खेल में वापसी की राह पकड़ने लगे थे और उन्होंने जफरदानेश को 'ऑल-आउट' कर दिया, जिससे वे प्रतियोगिता में वापस आ गए।

एनिमल के आगे सैम बहादुर ने भी दिखाया दम

साल 2023 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक विक्की कौशल स्टारर 'सैम बहादुर' बीत दिन सिनेमाघरों मे रिलीज हुई है. भारतीय सेना के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की रियल लाइफ बेस्ड इस फिल्म को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. दिलचस्प बात ये है कि ये फिल्म रणबीर कपूर की एनिमल के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. रणबीर की फिल्म का क्रेज तो सातवें आसमान पर है बावजूद इसके विक्की कौशल की फिल्म को भी रिलीज के पहले दिन दर्शकों से प्यार मिला है. इसी के साथ फिल्म ने 'सैम बहादुर' शानादर ओपनिंग की है. चलिए यहां जानते हैं विक्की कौशल की फिल्म ने पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?'सैम बहादुर' को मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है. विक्की कौशल के लीड रोल वाली इस फिल्म का क्लैश रणबीर कपूर की एनिमल से हुआ है. बावजूद इसके 'सैम बहादुर' भी दर्शकों का दिल छूने में कामयाब रही है. फिल्म में विक्की कौशल ने सैम मानेकशॉ के अपने किरदार से काफी इंप्रेस किया है और सोशल मीडिया पर एक्टर और उनकी इस फिल्म की जमकर तारीफ भी हो रही है. वहीं कमाई की बात करें तो 'सैम बहादुर' की रिलीज के पहले दिन की कमाई के आंकड़े आ गए हैं. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने पोस्ट शेयर कर 'सैम बहादुर की कमाई के शुरुआती आंकड़े जारी किए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'सैम बहादुर' ने रिलीज के पहले दिन 6.25 करोड़ रुपयों की कमाई की है. इसी के साथ ये फिल्म विक्की कौशल के करियर की तीसरी सबसे बड़ी ओपनर बन गई है.

भूल भुलैया 3 में नजर नहीं आएंगी तब्बू?

तब्बू और कार्तिक आर्यन स्टारर कॉमेडी हॉरर फिल्म भूल भुलैया 2 कोरोना काल के बाद रिलीज हुई पहली बड़ी हिट फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज़्मी ने किया था और यह अक्षय कुमार की 2007 की फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल थी। वहीं अब फिल्म फैंचाइजी की तीसरी किस्त को लेकर खबरें सामने आने लगी हैं। जिसमें खबर आ रही है कि तब्बू शायद इसका हिस्सा नहीं होंगी। भूल भुलैया 2 में तब्बू की भूमिका को खूब पसंद गया और फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई। हालांकि, हो सकता है कि उन्होंने इसकी तीसरी किस्त के लिए ना कह दिया हो। रिपोर्ट के अनुसार, भारी रकम ऑफर होने के बावजूद एक्ट्रेस ने भूल भुलैया 3 को ठुकरा दिया है। सूत्र का कहना है कि मंजुलिका की भूमिका उनके बहुत करीब है लेकिन वह इसे जल्द ही दोबारा करने के लिए उत्सुक नहीं हैं। कथित तौर पर तब्बू इस भूमिका को दोबारा निभाने से पहले इंतजार करना चाहती हैं। दूसरी ओर, निर्माता फिल्म को जल्द से जल्द शुरू करने के इच्छुक हैं।भूल भुलैया 2 अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित है और अक्षय कुमार की 2007 की हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया का स्टैंडअलोन सीक्वल है। फिल्म में कार्तिक आर्यन, तब्बू, कियारा आडवाणी, राजपाल यादव और अन्य कलाकार हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता पाने वाली फिल्म बनीं। तब्बू के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार विशाल भारद्वाज की जासूसी थ्रिलर खुफिया में देखा गया था। वह जल्द ही अजय देवगन के साथ औरों में कहां दम था और करीना कपूर खान, कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ के साथ द क्रू में नजर आएंगी।

साड़ी में दिशा पाटनी ने दिया किलर पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपने किलर लुक्स से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी बोल्डनेस को देखकर फैंस भी हैरान रह जाते हैं. उनकी हर तस्वीर पर फैंस भर-भर कर प्यार बरसते हैं. एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने अधिकारिक इंस्टा अकाउंट पर ग्रीन कलर की साड़ी और डीप नैक ब्लाउज में कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं. इस तस्वीरों में दिशा पाटनी बेहद खूबसूरत और बोल्ड नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस इन तस्वीरों में जमकर अपनी बोल्डनेस फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस भर-भर का प्यार बरसा रहे हैं. एक्ट्रेस मोनी रॉय ने भी दिशा की इन तस्वीरों पर फायर साइन कमेंट कर बता दिया कि वह कितनी हॉट लग रही हैं. वहीं अन्य फैंस ने भी दिशा की इन तस्वीरों पर कमेंट कर उनकी खूबसूरती को सराहा है. एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- दिवाली का पटाखा. वहीं एक्ट्रेस ने कुछ और बेहद बोल्ड तस्वीरें पोस्ट की हैं. जगह-जगह से खुली इस ड्रेस में भी एक्ट्रेस काफी बोल्ड नजर आ रही हैं. दिशा पाटनी अपने बोल्ड और किलर लुक के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फैंस उनकी एक-एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते हैं. दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1993 को देहरादून में हुआ था. साथ ही दिशा पाटनी ने एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू साल 2015 में आई फिल्म लोफर से किया था.

छत्तीसगढ़ में खिला कमल

90 सीट में से भाजपा को मिला 54 तो कांग्रेस 35 सीट व अन्य.1

कांग्रेस के 9 मंत्री हारे...टीएस सिंह देव,अमरजीत भगत,रविन्द्र चौबे मो.अकबर,शिवकुमार डहेरिया,मोहन मरकाम,रूद्र गुरू,जय सिंह अग्रवाल

» भाजपा ने मनाई दिवाली, कांग्रेस में मातम

» उप मुख्यमंत्री सिंहदेव, सहित 8 मंत्री हारे, नेता प्रतिपक्ष भी पराजित

रायपुर, 03 दिसम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में तमाम पूर्वानुमानों को ध्वस्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने भारी बहुमत से जीत हासिल कर ली। भाजपा ने 54 सीट जीतीं जबकि पिछले चुनाव में 68 सीटें जीतने वाली कांग्रेस महज 35 सीट पर थम गई। वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने भी अपना खाता खोलते हुए पाली-तानखार से जीत दर्ज की है साथ ही बहुजन समाज पार्टी ने भी एक सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं इस चुनाव में उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, मंत्री मोहम्मद अकबर, मोहन मरकाम, अमरजीत भगत,शिव डहरिया, रविन्द्र चौबे,ताम्रध्वज साहू तथा जयसिंह अग्रवाल चुनाव हार गए। भाजपा की ओर से चुनाव हारने वाले दिग्गजों में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय,पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर शामिल हैं। भाजपा ने सरगुजा और बस्तर संभाग में जबरदस्त जीत हासिल की। रायपुर जिले की सीटों पर भी भाजपा का वर्चस्व स्थापित हुआ है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में दीवाली मनाई जा रही है तो कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सन्नाटा पसरा हुआ है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन आज दोपहर बाद विशेष विमान से रायपुर पहुंच गए थे। सुबह आरंभिक रुझान कांग्रेस की बढ़त के साथ शुरू हुए थे लेकिन दोपहर तक भाजपा ने बाजी पलटने का संकेत दिया और इसके बाद आगे बढ़ती चली गई। शाम तक भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। कई सीटों पर भारी कश्मकश की स्थिति रही। रायपुर की सभी सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है।

मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के अरूण साव ने लोरमी से कांग्रेस के थानेश्वर साहू को 45,891 मतों से हराया। रायपुर दक्षिण से बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के महंत रामसुंदर दास को 67,851 मतों से हराया। रायपुर उत्तर से पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस को कुलदीप जुनेजा को 23054 मतो से हराया। कवर्धा से विजय शर्मा ने कांग्रेस के मोहम्मद अकबर को 39,665 मतो से हराया। पत्थलगांव से गोमती साय ने कांग्रेस के रामपुकार सिंह को मात्र 255 मतो से हराया।

पूरे 90 विधानसभा में कौन कहां से, कौन कितने वोट से जीते,कौन हारे

➡रायपुर पश्चिम - राजेश मूणत (भाजपा) / विकास उपाध्याय (कांग्रेस) - 41229 वोट से विजयी
➡रायपुर उत्तर - पुरंदर मिश्रा (भाजपा) / कुलदीप जुनेजा (कांग्रेस) - भाजपा 23054 वोट से जीती
➡रायपुर दक्षिण - बृजमोहन अग्रवाल (भाजपा) / महंत रामसुंदर दास (कांग्रेस) - भाजपा 67851 वोट से विजयी
➡रायपुर ग्रामीण - मोतीलाल साहू (भाजपा) / पंकज शर्मा (कांग्रेस) - भाजपा 35500 वोट से विजयी
➡धरसींवा - अनुज शर्मा (भाजपा) / छाया वर्मा (कांग्रेस) - भाजपा 44343 वोट विजयी
➡आरंग - खुशवंत साहेब (भाजपा) / डॉ. शिव कुमार डहरिया (कांग्रेस) -भाजपा 16638 वोट से जीती
➡अभनपुर - इंद्रकुमार साहू (भाजपा) / धनेद्र साहू (कांग्रेस) - 15553 वोट से भाजपा जीती
➡भरतपुर-सोनहत - गुलाब सिंह कमरो (कांग्रेस) / रेणुका सिंह (भाजपा) -4919 वोट से भाजपा की जीत
➡मनेंद्रगढ़ - रमेश सिंह (कांग्रेस) / श्याम बिहारी (भाजपा) - भाजपा 11880 वोट से जीती
➡बैकुंठपुर - अम्बिका सिंहदेव (कांग्रेस) / भैयालाल रजवाड़े (भाजपा) - भाजपा 24717 वोटों से जीती
➡प्रेमनगर - खेलसाय सिंह (कांग्रेस) / भूलन सिंह मरावी (भाजपा) - भाजपा 33290 वोट से जीती
➡भटगांव - पारसनाथ रजवाड़े (कांग्रेस) / लक्ष्मी रजवाड़े (भाजपा) - भाजपा 41323 वोटों से विजयी
➡प्रतापपुर - राजकुमार मरावी (कांग्रेस) / शकुंतला सिंह (भाजपा) - 12500 वोटों से भाजपा की जीत
➡रामानुजगंज - डॉ. अजय तिर्की (कांग्रेस) / रामविचार नेताम (भाजपा) - भाजपा 29663 वोट से जीती
➡सामरी - विनय पैकरा (कांग्रेस) / उद्देश्वरी पैकरा (भाजपा) - भाजपा 13965 वोट से जीती
➡लुंड्रा - डॉ. प्रीतम राम (कांग्रेस) / प्रबोध मिंज (भाजपा) - भाजपा 24128 वोट से जीती
➡अंबिकापुर - टी एस सिंहदेव (कांग्रेस) / राजेश अग्रवाल (भाजपा)-94 वोट से भाजपा की जीत
➡सीतापुर - अमरजीत भगत (कांग्रेस) / रामकुमार टोप्पो (भाजपा) - भाजपा की 21000 हजार वोट से जीत
➡जशपुर - विनय कुमार भगत (कांग्रेस) / रायमुनी भगत (भाजपा) - भाजपा की 17645 हजार वोट से जीत
➡कुनकुरी - यूडी मिंज (कांग्रेस) / विष्णुदेव साय (भाजपा) - 25541 हजार वोट से भाजपा की जीत
➡पत्थलगांव - रामपुकार सिंह (कांग्रेस) / गोमती साय (भाजपा) - भाजपा 255 वोट से जीती
➡लैलूंगा - विद्यावती सिदार (कांग्रेस) / सुनीति सत्यानंद राठिया (भाजपा) - कांग्रेस 5690 वोटों से जीती
➡रायगढ़-प्रकाश नायक (कांग्रेस) / ओपी चौधरी (भाजपा) - भाजपा 66 हजार वोट से जीती
➡सारंगढ़ - उत्तरी जांगडे (कांग्रेस) / शिव कुमारी चौहान (भाजपा) - कांग्रेस 29695 वोट से जीती
➡खरसिया - उमेश पटेल (कांग्रेस) / महेश साहू (भाजपा) - कांग्रेस 21656 वोटों से जीती
➡धर्मजयगढ़ - लालजीत सिंह (कांग्रेस) / हरिश्चंद्र राठिया (भाजपा) - कांग्रेस 9637 वोट से जीती
➡रामपुर - फुल सिंह राठिया (कांग्रेस) / ननकीराम कंवर (भाजपा) - कांग्रेस 22859 वोट से जीती
➡कोरबा - जयसिंह अग्रवाल (कांग्रेस) / लखन लाल देवांगन (भाजपा) - भाजपा 25629 वोट से जीती
➡कटघोरा - पुरुषोत्तम कंवर (कांग्रेस) / प्रेम चंद पटेल (भाजपा) - भाजपा 16900 वोटों से जीती
➡पाली-तानाखार - दुलेश्वरी सिदार (कांग्रेस) / रामदयाल (भाजपा), तुलेश्वर मरकाम (गोगपा) - गोगपा 516 वोट से विजयी
➡मरवाही - डॉ. के के ध्रुव (कांग्रेस) / प्रणव कुमार मरपच्ची (भाजपा) - भाजपा की जीत तय
➡कोटा - अटल श्रीवास्तव (कांग्रेस) / प्रबल प्रताप सिंह जूदेव (भाजपा) - कांग्रेस 7957 वोटों से विजयी
➡लोरमी - थानेश्वर साहू (कांग्रेस) / अरुण साव (भाजपा) - 45891 मतों से भाजपा की जीत
➡मुंगेली - संजीत बनर्जी (कांग्रेस) / पुन्नूलाल मोहले (भाजपा) - 11734 मतों से भाजपा जीती
➡तखतपुर - रश्मि आशीष सिंह (कांग्रेस) / धर्मजीत सिंह (भाजपा) - भाजपा 14892 से जीती
➡बिल्हा - सियाराम कौशिक (कांग्रेस) / धरमलाल कौशिक (भाजपा) - भाजपा 9090 मतों से जीती
➡बिलासपुर - शैलेश पाण्डेय (कांग्रेस) / अमर अग्रवाल (भाजपा) - भाजपा 28959 से जीती
➡बेलतरा - विजय केसरवानी (कांग्रेस) / सुशांत शुक्ला (भाजपा) - भाजपा 16963 वोट से जीती
➡मस्तुरी - दिलीप लहरिया (कांग्रेस) / कृष्ण मूर्ति बांधी (भाजपा) - कांग्रेस 20141 वोट से जीती
➡अकलतरा-राघवेन्द्र सिंह (कांग्रेस) / सौरभ सिंह (भाजपा) - कांग्रेस 22758 वोट से विजयी
➡जांजगीर - व्यास कश्यप (कांग्रेस) / नारायण चंदेल (भाजपा) - कांग्रेस 6971 वोट से जीती
➡सक्ती - डॉ. चरण दास महंत (कांग्रेस) / डॉ. खिलावन साहू (भाजपा) - कांग्रेस 12350 वोट से जीती
➡चंद्रपुर - राम कुमार यादव (कांग्रेस) / संयोगिता सिंह जूदेव (भाजपा) - कांग्रेस 15969 वोट से जीती
➡जैजैपुर - बालेश्वर साहू (कांग्रेस) / कृष्णकांत चंद्रा (भाजपा) - कांग्रेस 25835 वोट से विजयी
➡पामगढ़ - शेषराज हरबंश (कांग्रेस) / संतोष लहरे (भाजपा) - कांग्रेस 16174 वोट से जीती
➡सराईपाली - चतुरी नंद (कांग्रेस) / सरला कोसरिया (भाजपा) -कांग्रेस 41610 वोटों से विजयी
➡बसना - देवेन्द्र बहादुर सिंह (कांग्रेस) / संपत अग्रवाल (भाजपा) - भाजपा 36589 वोटों से विजयी
➡खल्लारी - द्वारिकाधीश यादव (कांग्रेस) / अलका चंद्राकर (भाजपा) - कांग्रेस 37450 वोटों से जीती
➡महासमुंद - डॉ. रश्मि चंद्राकर (कांग्रेस) / योगेश्वर राजू सिन्हा (भाजपा) - भाजपा 16101 वोटों से विजयी
➡बिलाईगढ़ - कविता प्राण लहरे (कांग्रेस) / डॉ. दिनेश लाल जांगड़े (भाजपा) - कांग्रेस 17827 वोट से जीती
➡कसडोल - संदीप साहू (कांग्रेस) / धनीराम धीवर(भाजपा) - कांग्रेस 33765 मतों से विजयी
➡बलौदाबाजार - शैलेश नितिन त्रिवेदी (कांग्रेस) / टंकराम वर्मा (भाजपा) - भाजपा 14018 वोटों से जीती
➡भाटापारा - इंद्र कुमार साव (कांग्रेस) / शिवरतन शर्मा (भाजपा) - कांग्रेस 11495 वोटों से जीती
➡राजिम - अमितेश शुक्ल (कांग्रेस) / रोहित साहू (भाजपा) - भाजपा 11911 वोटों से विजयी
➡बिंद्रानवागढ़ - जनक लाल ध्रुव (कांग्रेस) / गोवर्धन सिंह मांझी(भाजपा) - कांग्रेस 817 वोटों से जीती
➡सिहावा - अम्बिका मरकाम (कांग्रेस) / श्रवण मरकाम(भाजपा) - कांग्रेस 13166 वोटों से जीती
➡कुरूद - तारिणी चंद्राकर (कांग्रेस) / अजय चंद्राकर (भाजपा) - भाजपा 8090 वोटों से जीती
➡धमतरी - ओंकार साहू (कांग्रेस) / रंजना साहू (भाजपा) - कांग्रेस 2644 वोट से जीती
➡संजारी बालोद - संगीता सिन्हा (कांग्रेस) / राजेश यादव (भाजपा) - 17046 कांग्रेस की जीत तय
➡डौंडीलोहारा - अनिल भेड़िया (कांग्रेस) / देवलाल हलवा ठाकुर (भाजपा) - कांग्रेस 35688 वोट से जीती
➡गुंडरदेही - कुंवर सिंह निषाद (कांग्रेस) / विरेंद्र कुमार साहू (भाजपा) - कांग्रेस 41807 वोटों से जीती
➡पाटन - भूपेश बघेल (कांग्रेस) / विजय बघेल (भाजपा) - कांग्रेस 19543 वोटों से जीती
➡दुर्ग ग्रामीण - ताम्रध्वज साहू (कांग्रेस) / ललित चंद्राकर (भाजपा) -16642 वोटों से भाजपा विजयी
➡दुर्ग शहर - अरुण वोरा (कांग्रेस) / गजेन्द्र यादव (भाजपा) - 41960 वोटों से भाजपा की जीत
➡भिलाई नगर - देवेन्द्र यादव (कांग्रेस) / प्रेम प्रकाश पाण्डेय (भाजपा) - कांग्रेस 1615 वोट से जीती
➡वैशाली नगर - मुकेश चंद्राकर (कांग्रेस) / रिकेश सेन (भाजपा) - भाजपा 39756 वोटों से विजयी
➡अहिवारा - निर्मल कोसरे (कांग्रेस) / डोमन लाल कोर्सेवाड़ा (भाजपा) - भाजपा 25263 वोटों से आगे, जीत तय
➡साजा - रविंद्र चौबे (कांग्रेस) / ईश्वर साहू (भाजपा) - भाजपा 6200 वोट से जीती
➡बेमेतरा - आशीष कुमार छाबड़ा (कांग्रेस) / दीपेश साहू (भाजपा) - भाजपा 9134 मतों से विजयी
➡नवागढ़ - गुरु रूद्र कुमार (कांग्रेस) / दयाल बघेल (भाजपा) - 20000 से ज्यादा वोटों से भाजपा की जीत
➡पंडरिया - नीलकंठ चंद्रवंशी (कांग्रेस) / भावना बोहरा (भाजपा) - भाजपा 23639 वोटों से जीती
➡कवर्धा - मोहम्मद अकबर (कांग्रेस) / विजय शर्मा (भाजपा) - भाजपा 39592 वोटों से जीती
➡खैरागढ़ - यशोदा वर्मा (कांग्रेस) / विक्रांत सिंह (भाजपा) - कांग्रेस 5000 वोटों से विजयी
➡डोंगरगढ़ - हर्षिता स्वामी बघेल (कांग्रेस) / विनोद खाण्डेकर (भाजपा) - कांग्रेस 14367 वोट से विजयी
➡राजनांदगांव -गिरीश देवांगन (कांग्रेस) / डॉ. रमन सिंह (भाजपा) - भाजपा 45084 से जीती
➡डोंगरगांव - दलेश्वर साहू (कांग्रेस) / भरत लाल वर्मा (भाजपा) - 2100 वोटों से कांग्रेस की जीत
➡खुज्जी - भोलाराम साहू (कांग्रेस) / गीता घासी साहू (भाजपा) - कांग्रेस 25944 वोट से विजयी
➡मोहला-मानपुर - इंद्र शाह मंडावी (कांग्रेस) / संजीव साहा (भाजपा) - 31 हजार से अधिक मतों से कांग्रेस की जीत
➡अंतागढ़ - रूप सिंह पोटाई (कांग्रेस) / विक्रम उसेंडी (भाजपा) - भाजपा 23710 वोट से विजयी
➡भानुप्रतापपुर - सावित्री मंडावी (कांग्रेस) / गौतम उइके (भाजपा) -कांग्रेस 30932 वोट से जीती
➡कांकेर - शंकर ध्रुव (कांग्रेस) / आशाराम नेताम (भाजपा) - भाजपा 16 वोट से विजयी
➡केशकाल - संतराम नेताम (कांग्रेस) / नीलकंठ टेकाम (भाजपा) - 6143 मतों से भाजपा की जीत
➡कोंडागांव - मोहन लाल मरकाम (कांग्रेस) / लता उसेंडी (भाजपा) - 19000 मतों से भाजपा जीती
➡नारायणपुर - चन्दन कश्यप (कांग्रेस) / केदारनाथ कश्यप (भाजपा) - भाजपा 18930 वोटों से जीती
➡बस्तर -लखेश्वर बघेल (कांग्रेस) / मनीराम कश्यप (भाजपा) - कांग्रेस 6434 वोट से जीती
➡जगदलपुर - जितिन जायसवाल (कांग्रेस) / किरण देव (भाजपा) - भाजपा 29834 वोट से जीती
➡चित्रकोट - दीपक बैज (कांग्रेस) / विनायक गोयल (भाजपा) - भाजपा 8370 वोट से जीती
➡दंतेवाड़ा - छविन्द्र कर्मा (कांग्रेस) / चैतराम अटामी (भाजपा) - 16342 वोटों से भाजपा की जीत
➡बीजापुर - विक्रम मंडावी (कांग्रेस) / महेश गागड़ा (भाजपा) - कांग्रेस 2706 वोट से विजयी
➡कोंटा - कवासी लखमा (कांग्रेस) / सोयम मुक्का (भाजपा) - 1930 वोट से कांग्रेस की जीत

छत्तीसगढ़ विधानसभा की 20 फीसदी सीटों पर हुआ महिलाओं का कब्जा

किन नेत्रियों ने हासिल की एमएलए की कुर्सी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनाव परिणाम घोषित हो गए हैं। इस बार टिकट देने के मामले में दोनों प्रमुख दलों ने महिलाओं को प्राथमिकता दी है। अब यह जानने की जरुरत है कि टिकट हासिल करने वाली कितनी महिलाओं ने अपनी पार्टी के भरोसे को कायम रखते हुए जीत हासिल की है। बता दें कि इस विधानसभा चुनाव में कुल 18 महिलाओं ने एमएलए की सीट पर कब्ज़ा किया है। इनमें भाजपा की 8 और कांग्रेस की 10 महिला नेत्रियां शामिल हैं। वहीं विधानसभा में महिला विधायकों का कुल आंकड़ा 20 प्रतिशत होता है। इनकी सूची दलीय आधार पर प्रस्तुत है :-

भारतीय जनता पार्टी -

➡भरतपुर सोनहत से रेणुका सिंह सरूता
➡भटगांव से लक्ष्मी राजवाड़े
➡पंडरिया से भावना बोहरा
➡प्रतापपुर से शकुंतला सिंह पोर्ते,
➡सामरी से उद्धेश्वरी पैकरा,
➡जशपुर से रायमुनी भगत,
➡पत्थलगांव से गोमती साय
➡कोंडागांव से लता उसेंडी

कांग्रेस पार्टी :

➡लैलूंगा से प्रत्याशी विद्यावती सिदार,
➡बिलाईगढ़ से कविता प्राण लहरे,
➡सिहावा से अंबिका मरकाम,
➡संजारी बालोद से संगीता सिन्हा,
➡खैरागढ़ से यशोदा वर्मा,
➡सारंगढ़ से उत्तरी गणपत जांगड़े,
➡सरायपाली से चातुरी नंद,
➡डौंडीलोहारा से अनिला भेड़िया,
➡डोंगरगढ़ से हर्षिता स्वामी बघेल,
➡भानुप्रतापपुर से सावित्री मनोज मंडावी।

बताते चलें कि निवर्तमान विधानसभा (2018-2023) में कुल 16 महिला विधायक रही हैं।

भूपेश बघेल ने राज्यपाल को सौंपा अपना इस्तीफा

रायपुर,03 दिसम्बर 2023(ए)। विधानसभा चुनाव हारने के बाद आज शाम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजभवन जाकर राज्यपाल को अपना इस्तीफा दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा को छत्तीसगढ़ में जीत की हार्दिक बधाई। कांग्रेस के उपमुख्यमंत्री टी.एस. बाबा सहित राज्य के नौ मंत्री पराजित हुए। चुनाव आयोग के मुताबिक, राज्य में बीजेपी के पास दो-तिहाई बहुमत है। अब तक आए नतीजों के मुताबिक, बीजेपी राज्य में 53 सीटें जीत चुकी है जबकि कांग्रेस 35 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी है। चुनाव नतीजों पर नजर डालें तो कांग्रेस के उपमुख्यमंत्री समेत राज्य के नौ मंत्री हार गये. साथ ही उपमुख्यमंत्री टी.एस. चुनाव हार गये. अंबिकापुर से सिंहदेव, साजी से रवींद्र चौबे, कवर्धी से मोहम्मद अकबर, आरंग से शिवकुमार डहरिया, कोंडागांव से मोहन मरकाम, सीतापुर से अमरजीत भगत, नवागढ़ से रुद्र गुरु और कोरबा से जय सिंह अग्रवाल।

छत्तीसगढ़ में किसको सीएम बनाएगी भाजपा ?

रायपुर,03 दिसम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह समेत, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, दुर्ग सांसद विजय बघेल और पूर्व आईएएस व भाजपा के महामंत्री ओपी चौधरी मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

ये हैं प्रबल दावेदार

सामान्य वर्ग से चार बड़े चेहरों में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का नाम आता है।

अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी से बड़े चेहरों में बिलासपुर सांसद व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, दुर्ग सांसद विजय बघेल, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर और युवा नेता ओपी चौधरी का नाम आता है। प्रदेश में लगातार आदिवासी मुख्यमंत्री की भी मांग होती रही है । ऐसे में अनुसूचित जनजाति(एसटी) वर्ग से प्रदेश में बड़े चेहरे में केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, पूर्व राज्यसभा सदस्य रामविचार नेताम, पूर्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी व युवा नेता में पूर्व मंत्री केदार कश्यप का नाम पहले आता है।

अनुसूचित जाति(एससी) वर्ग से पार्टी के पास ज्यादा विकल्प नहीं है इस वर्ग से फिलहाल पूर्व मंत्री डॉ.कृष्णमूर्ति बांधी और पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहिले का नाम आता है। हालांकि, इस बार भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव करते हुए मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए बिना ही चुनाव लड़ा।

बृजमोहन अग्रवाल ने निकाली विजयी रैली

रायपुर,03 दिसम्बर 2023(ए)। रायपुर दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने जीत का बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने 67,851 वोटों से जीत हासिल की है, जो इस चुनाव की सबसे बड़ी जीत है। बृजमोहन अग्रवाल ने जीत का बड़ा रिकॉर्ड बनाने के बाद शाम को अपनी विजयी रैली निकाली है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)